रविवार 21 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष - 6

डाक संस्करण
सोमवार 22 जून 2026

Email- dainiklokmaya@gmail.com

RNI No.-CHHHIN/2010/35328
डाक पंजीयन-छग/रायपुर संभाग/17/2026-2028

दैनिक अखबार संपूर्ण छत्तीसगढ़ के समाचार

लोकमाया

रायपुर, वर्ष-17, अंक - 159 | रायपुर, भोपाल और दिल्ली से प्रकाशित | E paper-lokmaya.news | पृष्ठ- 12 | मूल्य- ₹ 2

योग शांत-तनाव मुक्त जीवन जीने में सहायक, लक्ष्य 50 की उम्र में 30 साल से ज्यादा ऊर्जावान होने का हो : पीएम मोदी

लोकमाया न्यूज।

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग को शांत और तनाव-मुक्त जीवन जीने में सहायक बताते हुए कहा है कि हमारा लक्ष्य 50 की उम्र में 30 साल से ज्यादा ऊर्जावान होने का होना चाहिए।

बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर मुख्य समारोह का आयोजन रविवार को यहां के रेड रोड पर आयोजित किया गया, जिसकी अगुवाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। इस अवसर पर मोदी कहा, हम हेल्दी एजिंग (उम्र बढ़ने के साथ सेहतमंद रहने) के लिए योग की बात करते हैं,तो इसका मतलब है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर सकते हैं कि उम्र बढ़ने से इंसान की क्षमता कम न हो। योग इंसान को लगातार आगे बढ़ने और विकास करने में मदद कर सकता है।

उन्होंने कहा, योग हमारे शरीर को लचीला बनाने में मदद करता है। यह हमारी ऊर्जा स्तर लेवल को बनाए रखता है। यह हमें शांत और तनाव-मुक्त जीवन जीने में भी मदद करता है। नियमित अभ्यास से योग हमें जीवन भर अपने शरीर और मन को समझने और सीखने वाला बनाता है।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 40 की उम्र में हम 20 की उम्र की तुलना में ज्यादा लचीले हों। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 50 की उम्र में हम 30 की उम्र की तुलना में ज्यादा ऊर्जावान हों। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बदलाव के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के तहत राज्य में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम को लेकर व्यापक इंतज़ाम और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी थी। मोदी सुबह करीब 6.30 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और राज्यपाल आर.एन. रवि ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री के पहुंचने से पहले ही कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ जुटने लगी थी। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में लगभग 30,000 से 35,000 लोगों के शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मोदी, रवि और अधिकारीअधिकारी के अलावा भाजपा के कई विधायक भी शामिल हुए। मोदी शनिवार को कोलकाता पहुंचे थे और योग दिवस कार्यक्रम के लिए रेड रोड जाने से पहले प्रोटोकॉल के तहत लोक भवन में रुके थे। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अब सिर्फ़ हर साल मनाया जाने वाला एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा, यह दुनिया का सबसे बड़ा उत्सव बन गया है। पूरा देश योग की महिमा में डूबा हुआ है। दुनिया एक-दूसरे से जुड़ रही है और यही योग की खूबसूरती है। उन्होंने कहा, मैं योग दिवस में शामिल होने के लिए पूरी दुनिया का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कोलकाता के लोगों का भी धन्यवाद किया और बंगाल की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, मैं कोलकाता को उसकी स्वच्छता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। योग दिवस पर बंगाल में रहना खास बात है। यह रामकृष्ण परमहंस देव की धरती है। यह विवेकानंद की धरती है जिन्होंने दुनिया को योग से परिचित कराया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की शिक्षाओं का ज़िक्र करते हुए मोदी ने कहा कि योग एकता और सामूहिक भलाई का प्रतीक है। उन्होंने कहा, रवींद्रनाथ का मानना था कि लोगों की पहचान अकेले रहने में नहीं, बल्कि एकजुट रहने से मिलने वाली संतुष्टि में है और यही योग की खूबसूरती है जो लोगों को जोड़ता है। अंतराष्ट्रीय योग दिवस का इस साल की थीम 'योग और स्वस्थ बुढ़ापा' पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बुढ़ापे को सकारात्मक नज़रिए से देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम बढ़ती उम्र में भी स्वस्थ और सक्रिय रह सकते हैं। बुढ़ापा कोई समस्या नहीं है, बल्कि इसे एक अवसर के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग को सिर्फ़ बुज़ुर्गों तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा, बुढ़ापे के लिए योग को सभी उम्र के लोगों के लिए माना जाना चाहिए, न कि सिर्फ़ बुज़ुर्गों के लिए।

प्रधानमंत्री ने सरकार की साल भर चलने वाली योग पहल में लोगों की भागीदारी का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, योग 365 दिन के कार्यक्रम के तहत, 130 देशों के 30 लाख लोगों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रेड रोड पर हुए मुख्य कार्यक्रम के अलावा कोलकाता में कई जगहों पर योग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें शहर भर से लगभग 10 लाख लोगों के शामिल हुए । विद्यार्थी , महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और अलग-अलग सामाजिक समूहों के सदस्य इन समारोहों में शामिल हुए।

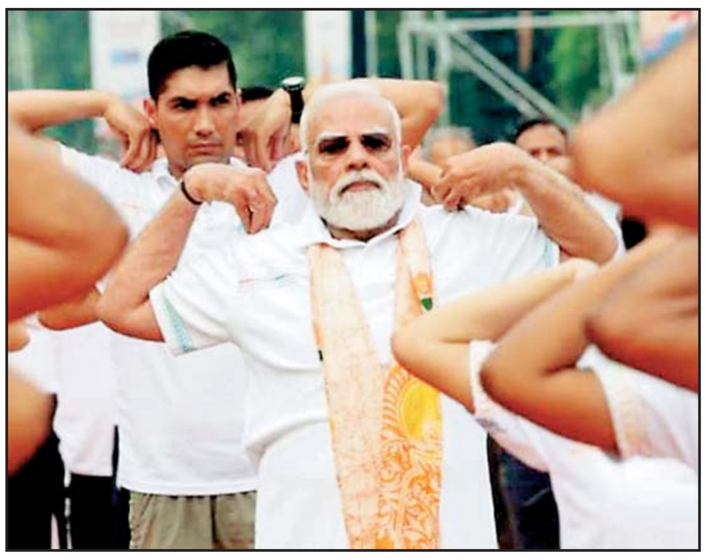

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मोदी के अंगवस्त्र ने खींचा लोगों का ध्यान

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित मुख्य समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परिधान ने सबसे ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मोदी ने रविवार को यहां लोगों के साथ योगाभ्यास किया। योग के साथ-साथ उनका पहनावा भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। गौरतलब है कि हर साल योग दिवस पर प्रधानमंत्री का अलग-अलग अंदाज देखने को मिलता है और इस बार भी उन्होंने अपने पहनावे से लोगों का ध्यान आकर्षित किया और कार्यक्रम की तस्वीरें और वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस बार मोदी ने सफेद रंग की कस्टमाइज्ड (स्वनिर्धारित) योग टी-शर्ट और उससे मिलता-जुलता ट्रैक पैंट पहनी थी। इसके साथ उन्होंने काले रंग का चश्मा भी लगाया था, जो देखने में काफी आकर्षक लग रहा था। उनके पोशाक पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आधिकारिक लोगो भी मौजूद था। प्रधानमंत्री के पोशाक का सबसे चर्चित हिस्सा उनके गले में डाला गया विशेष अंगवस्त्रम रहा। इस बार उन्होंने भगवा और सफेद रंग से मिलाकर तैयार किया गया अंगवस्त्रम डाला हुआ था, जिस पर दोनो तरफ बड़ा सा कमल का फूल साफ दिखाई दे रहा था। इन फूलों की वदह से उनका गमछा बेहद खास लग रहा था। सोशल मीडिया पर लोगों ने प्रधानमंत्री के अंगवस्त्रम की जमकर चर्चा की और इसकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही है।

योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में हजारों नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की सनातन ऋषि परंपरा का अमूल्य उपहार है, जिसने आज संपूर्ण विश्व को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है, जो व्यक्ति को आत्मबल, अनुशासन, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन के प्रति संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती है।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अम्बिकापुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया सामूहिक योगाभ्यास12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अम्बिकापुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया सामूहिक योगाभ्यास मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग वर्तमान समय की आवश्यकता को प्रतिबिंबित करती है। तेजी से बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग प्रत्येक आयु वर्ग के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से सजग और भावनात्मक रूप से संतुलित बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है, इसलिए योग को केवल एक आयोजन तक सीमित न रखकर जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

योग व्यक्ति को स्वयं से, समाज को प्रकृति से, तथा सम्पूर्ण मानवता को व्यापक विश्व-चेतना से जोड़ने का सशक्त माध्यम : राष्ट्रपति मुर्मु

लोकमाया न्यूज।

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि योग व्यक्ति को स्वयं से, समाज को प्रकृति से, तथा सम्पूर्ण मानवता को व्यापक विश्व-चेतना से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

विश्व जब अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब योग मानवता को शांति, संतुलन, समरसता और सामूहिक कल्याण का मार्ग दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुर्मु ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को जबलपुर में आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पूरे विश्व के योग साधकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज हम भारत की उस महान परंपरा का उत्सव मना रहे हैं, जिसने मानवता को स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन का मार्ग दिखाया है। योग विश्व-समुदाय को हमारी सांस्कृतिक धरोहर की ओर से मिला एक अमूल्य उपहार है। राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2014 में, भारत की पहल पर, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। उस घोषणा से विश्व-कल्याण के एक सशक्त माध्यम के रूप में योग पद्धति की पहचान और भी मजबूत हुई है।

योग करो, रोज करो, मौज करो : स्वामी चिदानन्द

एजेंसी ।

ऋषिकेश। उत्तराखंड में ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन के पीठाधीश्वर स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा है कि योग करो, रोज करो, मौज करो।

स्वामी चिदानन्द ने कहा कि योग, केवल अभ्यास नहीं, यह भारत की आत्मा का जागृत स्वर है। यह वह दिव्य विज्ञान है जो मनुष्य को शरीर से ऊपर उठाकर चेतना की ऊँचाइयों तक ले जाता है। माँ गंगा की तरह योग भी हमें निरंतर प्रवाह के साथ जीने का संदेश देता है।

इस दौरान परमार्थ निकेतन की अंतरराष्ट्रीय निदेशक डॉ. साध्वी भगवती सरस्वती, योग साधकों, आध्यात्मिक गुरुओं, सरकारी अधिकारियों तथा स्थानीय नागरिकों ने योगाभ्यास में भाग लेकर स्वास्थ्य, सामंजस्य एवं समग्र कल्याण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन परमार्थ निकेतन द्वारा भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुष मिशन उत्तराखण्ड तथा इंडियन योगा एसोसिएशन के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रमुख योग संस्थानों, सरकारी विभागों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मिलकर समग्र स्वास्थ्य तथा कल्याण को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया।

डॉ. साध्वी भगवती ने परमार्थ गंगा तट के दिव्य वातावरण में सभी प्रतिभागियो को ध्यान कराया। 500 से अधिक प्रतिभागियों ने कॉमन योग प्रोटोकॉल में सहभाग किया। इस 45 मिनट के योग सत्र को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की डॉ. इन्दु शर्मा एवं परमार्थ निकेतन की योगाचार्या गंगा नंदिनी द्वारा हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में संचालित किया गया।

अंतर्राट्रीय योग दिवस': योग को जीवनशैली में शामिल करें : राज्यपाल रमेन डेका

एजेंसी।

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेकाराज्यपाल रमेन डेका इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का वाचन किया एवं सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि यह हर्ष का विषय है कि पूरा छत्तीसगढ़ इस ऐतिहासिक अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहा है। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहने की कामना की।

डेका ने प्रदेशवासियों से कहा कि योग को जीवनशैली में शामिल करें, प्रतिदिन योगाभ्यास की आदत बनाए और बच्चों को भी इसकी आदत डाले जिससे उनका शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और वे भविष्य में देश के अच्छे नागरिक बनेंगे। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को ही नहीं बल्कि मन और भावनाओं को सुदृढ़ बनाकर व्यक्ति के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर डेका ने विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

योगाभ्यास कार्यक्रम में विधायकगण सर्वपुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, सुनील सोनी एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव विकास शील, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, पुलिस कमिश्नर रायपुर संजीव शुक्ला, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं, छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में शामिल हुए।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट एक कर्मचारी की मौत, 25 घायल

लोकमाया न्यूज ।

चेन्नई। तमिलनाडु के थूथुकुडी ज़िले के मसारपट्टी गांव में शनिवार शाम पटाखा बनाने वाली एक निजी फैक्ट्री में विस्फोट होने से एक कर्मचारी की मौत हो गयी और 25 से ज़्यादा लोग घायल हो गये।

सप्ताहांत होने के कारण फैक्ट्री में 50 से ज़्यादा कर्मचारी मौजूद थे। कुछ अपनी हफ़्ते भर का वेतन ले रहे थे, तो कुछ पटाखे बना रहे थे। अचानक, एक कमरे में रखे पटाखों में धमाका हो गया, जिससे एक कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गयी और 25 अन्य घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुँचे और घायलों को सरकारी अस्पताल पहुँचाया। मृतक कर्मचारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। धमाके की वजह का पता लगाने के लिए आगे की जाँच चल रही है।

संपत्तियां दिवंगत अनिल वासुदेव सालगांवकर की संपत्ति देखभाल के लिए नियुक्त की गयी

ईडी ने गोवा अवैध लौह अयस्क खनन मामले में 1,023.85 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्क

लोकमाया न्यूज ।

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पणजी क्षेत्रीय कार्यालय (गोवा) ने रविवार को बताया कि उसने सालगांवकर समूह और उसके सहयोगियों (जिन्हें सामूहिक रूप से एवीएस समूह कहा जाता है) से जुड़े बड़े स्तर के अवैध लौह अयस्क खनन मामले में 1,023.85 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियां कुर्क की हैं।

कुर्क की गयी संपत्तियों में भारत स्थित 459.10 करोड़ रुपये मूल्य की 99 अचल संपत्तियां, सिंगापुर में 471.32 करोड़ रुपये मूल्य की 31 अचल संपत्तियां और भारतीय कंपनियों में 93.42 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयर शामिल हैं।

ये संपत्तियां दिवंगत अनिल वासुदेव सालगांवकर की संपत्ति (देखभाल के लिए नियुक्त की गयी लक्ष्मी अनिल सालगांवकर के माध्यम से), सालगांवकर माइनिंग इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, शांतिलाल खुशालदास एंड ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड, एस. कांतिलाल एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, सालिथो ओर्स प्राइवेट लिमिटेड, वर्टेक्स न्यूटन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और सुवर्णरेखा पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर हैं।

ईडी ने इस मामले की जांच गोवा की सीआईडी क्राइम ब्रांच के भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर अधिनियम) के विभिन्न प्रावधानों के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी। ईडी के अनुसार, उच्चतम न्यायालय ने 21 अप्रैल 2014 और सात फरवरी 2018 के अपने फैसलों में यह माना था कि गोवा में 22 नवंबर 2007 के बाद और नये खनन पट्टे जारी होने तक की गयी सभी खनन गतिविधियां अवैध और बिना किसी कानूनी अधिकार के थीं।

ईडी की जांच में सामने आया कि एवीएस समूह ने वर्ष 2007 से 2012 के बीच 10 खनन पट्टों का संचालन किया।

समूह ने लौह अयस्क के अवैध निष्कर्षण, बिक्री और निर्यात के जरिये 2,492.95 करोड़ रुपये का काला धन जुटाया।

एजेंसी के मुताबिक, अवैध रूप से निकाले गये अयस्क को ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में पंजीकृत शेल कंपनियों या स्पेशल पर्पज व्हीकलों (एसपीवी) को बेहद कम कीमतों पर निर्यात किया गया था।

इन कंपनियों ने सिर्फ बिचौलिये का काम किया।

इन्होंने इस अयस्क को वापस चीन को बेच दिया।

इससे अनुमानित 2,744.89 करोड़ रुपये का अतिरिक्त विदेशी व्यापार मुनाफा कमाया।

मामले में अपराध की कुल कमाई लगभग 5,237.84 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

ईडी ने आरोप लगाया कि इन पैसों को ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स और सिंगापुर स्थित एसपीवी के जरिये घुमाया गया।

फिर इनका इस्तेमाल विदेशों में बड़ी चल-अचल संपत्तियां खरीदने के लिए किया गया।

इस रकम का एक हिस्सा शेयर पूंजी के बहाने वापस भारत भी लाया गया था।

दिल्ली के सुल्तानपुरी में शराब की दुकान में भीषण आग, एक दमकलकर्मी घायल

एजेंसी।

नयी दिल्ली। दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में शनिवार रात एक शराब की दुकान में भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। आग दुकान के भूतल पर लगी और देखते ही देखते पहली मंजिल तक फैल गयी। इस मंजिल पर दुकान का गोदाम बना हुआ था। सूचना मिलते ही दमकलकर्मियों ने तुरंत बचाव और आग पर काबू पाने का काम शुरू कर दिया।

इस अभियान के दौरान दुकान के अंदर एक दमकलकर्मी घायल हो गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, फर्श पर बिखरी हुई कांच की टूटी बोतलों के कारण उसका पैर फिसल गया।

उन्हें तुरंत इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया।

शुरुआती जांच से पता चला है कि आग लगने की वजह बिजली का शार्ट सर्किट हो सकती है, हालांकि पुलिस और संबंधित अधिकारी मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लेने से एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

10 दिन बाद खुदवाई गई समाधि, निकाला शव

मलानी बाबा कुटिया में साधु की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

लोकमाया न्यूज।

उज्जैन, निप्र। मंगलनाथ मंदिर क्षेत्र से एक स्तब्ध करने वाला मामला सामने आया है, जहां मलानी बाबा की कुटिया में रहने वाले साधु गंगेश्वरी महाराज मूल नाम सुनील जोशी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत के बाद बिना पुलिस या प्रशासन को सूचना दिए उन्हें कुटिया के पीछे ही समाधि दे दी गई थी। करीब 10 दिनों तक संपर्क न होने पर जब साधु के परिजन उज्जैन पहुंचे, तब इस पूरे मामले का भंडाफोड़ हुआ। परिजनों की शिकायत पर प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में समाधि को खुदवाकर शव बाहर निकाला गया है।

चिमनगंज मंडी थाना पुलिस के अनुसार जावरा के पीपलीबाजार निवासी अनिल जोशी ने 17 जून को थाने में अपने भाई की गुमशुदगी और अनहोनी की शिकायत दर्ज कराई थी। अनिल ने पुलिस को बताया कि उनके भाई सुनील जोशी संन्यासी नाम: गंगेश्वरी महाराज पिछले कई वर्षों से मंगलनाथ क्षेत्र स्थित मलानी बाबा की कुटिया में रहकर साधना कर रहे थे। परिजनों के अनुसार करीब 10 दिन पहले उनकी गंगेश्वरी महाराज से फोन पर आखिरी बार बातचीत हुई थी। उस बातचीत के दौरान फोन के पीछे कुछ लोगों के आपस में विवाद और बहस करने की आवाजें आ रही थीं। इस बातचीत के बाद से ही साधु का मोबाइल लगातार बंद आने लगा।

जब कई दिनों तक साधु से कोई संपर्क नहीं हो सका, तो चिंतित भाई अनिल जोशी उन्हें तलाशते हुए उज्जैन स्थित कुटिया पर पहुंचे। वहां आसपास के लोगों और स्थानीय सूत्रों से पूछताछ करने पर अनिल के पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्हें पता चला कि गंगेश्वरी महाराज का करीब 10 दिन पहले ही निधन हो चुका है और उन्हें कुटिया के ठीक पीछे जमीन में समाधि दे दी गई है। शिकायत की गंभीरता और साधु समाज से जुड़े मामले को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों का दल शुक्रवार को मौके पर पहुंचा। सभी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में समाधि स्थल की खुदाई करवाई गई और शव को बाहर निकाला गया। शनिवार को शव का डॉक्टरों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। चिमनगंज मंडी थाना पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। कुटिया के आसपास रहने वाले लोगों और सेवादारों से भी पूछताछ की जा रही है। शव काफी दिन पुराना होने के कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर ही मौत की वास्तविक वजह साफ हो सकेगी। रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की दंडात्मक कार्रवाई तय की जाएगी।

कुटिया से गायब है मोटरसाइकिल और सामान

साधु के परिजनों ने इस पूरी प्रक्रिया को अत्यंत संदिग्ध माना है। उनका कहना है कि यदि मौत स्वाभाविक थी, तो परिवार को सूचित क्यों नहीं किया गया? इसके अलावा गंगेश्वरी महाराज का निजी सामान और उनकी मोटरसाइकिल भी कुटिया से गायब है। इन्हीं परिस्थितियों को आधार बनाकर परिवार ने सीधे तौर पर हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। गंगेश्वरी महाराज के भाई का कहना है कि सिंहस्थ की तैयारियों के बीच किसी साधु की इस तरह संदिग्ध मौत होना और गुपचुप समाधि दे देना एक गंभीर विषय है। प्रशासन को इसकी गहराई से जांच कर सच्चाई सामने लानी चाहिए।

2010 में लिया था गंगेश्वरी महाराज ने संन्यास

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार गंगेश्वरी महाराज का संन्यास से पूर्व का नाम सुनील जोशी था। वे विवाहित थे और उनके दो बच्चे भी हैं। बताया जाता है कि कुछ वर्ष पूर्व पत्नी के मायके चले जाने के बाद उनका सांसारिक जीवन से मोहभंग हो गया। इसके बाद वर्ष 2010 में उन्होंने पूरी तरह से गृहस्थ जीवन का त्याग कर दिया और संन्यास ग्रहण कर उज्जैन आ गए। गंगेश्वरी महाराज की बुजुर्ग मां कृष्णा जोशी भी मंदिर में सेवा कार्य करती हैं। कुछ समय पहले ही महाराज ने अपनी मां से वादा किया था कि वे जल्द ही उन्हें एक धार्मिक यात्रा पर ले जाएंगे। पिता का साया परिवार से पहले ही उठ चुका था और अब अचानक साधु बेटे की इस तरह मौत की खबर से पूरा परिवार गहरे सदमे में है।

बेगमबाग क्षेत्र में जुलूस के दौरान विवाद: वीडियों हुआ वायरल

लोकमाया न्यूज।

उज्जैन, निप्र। शहर के संवेदनशील बेगमबाग क्षेत्र में मोहर्रम पर्व से पहले निकलने वाले पारंपरिक घोड़े के जुलूस के दौरान दो पक्षों के युवकों में हिंसक झड़प का मामला सामने आया है। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि युवकों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने आगामी मोहर्रम के मुख्य जुलूसों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। बताया जा रहा है कि यह घटना 18 जून की रात करीब 12 बजे की है। गरीब नवाज क्षेत्र से शुरू हुआ घोड़े का जुलूस जब घोड़ा कोट मोहल्ला और महाकाल चौराहा होते हुए बेगमबाग इलाके से गुजर रहा था, तभी जुलूस में शामिल कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। एक दर्जन से ज्यादा युवक आमने-सामने आ गए। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक हाथों में डंडे और लाठियां लहराते हुए एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ हमला कर रहे हैं। झड़प के कारण इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इतनी बड़ी घटना के बाद भी अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। वीडियो वायरल होने और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने तत्काल बैठक की। आगामी मोहर्रम के मुख्य जुलूसों के मद्देनजर शहर भर में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। अधिकारियों ने पुलिस बल को संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने, सीसीटीवी से निगरानी रखने और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

स्कूलों के जरूरी कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कराएं: संयुक्त आयुक्त

लोकमाया न्यूज।

उज्जैन, निप्र। संयुक्त आयुक्त विकास राजेंद्र कुमार वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूलों में आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा कराया जाए और शासन की योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए। वे सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल के कलेक्टर सभागार में आयोजित स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान छोटे बच्चों के ड्रॉप आउट, नामांकन में वृद्धि, पुस्तक वितरण, मिशन अंकुर योजना सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। संयुक्त आयुक्त वर्मा ने कम नामांकन वृद्धि और अधिक ड्रॉप आउट वाले जिलों के अधिकारियों को लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में पुस्तक वितरण के बाद पोर्टल पर सही जानकारी दर्ज की जाए। साथ ही सभी अधिकारी सरकारी स्कूल भवनों की स्थिति का आकलन करें और शाला विकास समिति के माध्यम से छोटे-छोटे आवश्यक कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में कुपोषित बच्चों की स्थिति, कुपोषण सुधार, आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के पंजीयन, आंगनबाड़ी केंद्रों को स्कूल परिसर में शिफ्ट करने, लाड़ली लक्ष्मी योजना, सक्षम आंगनबाड़ी, विद्युत कनेक्शन और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी ली गई। संयुक्त आयुक्त ने निर्देश दिए कि लाड़ली बहना योजना का लाभ लेने वाली महिलाओं की मृत्यु होने पर संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र जन्म-मृत्यु पंजीयन अधिकारी को सूचना दें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जो भी विभाग लक्ष्य पूरा नहीं कर पाए हैं, वे एक-दो दिन में कार्य पूर्ण कर पोर्टल पर सही जानकारी दर्ज करें। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों सहित महिला एवं बाल विकास और स्कूल शिक्षा विभाग के संभागीय व जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजन

नागदा जं, निप्र। नगर पालिका परिषद अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सुबह 6 बजे कृषि उपज मंडी परिसर में वृहद आयोजन नगरपालिका अध्यक्ष संतोष ओपी गेहलोत के मार्गदर्शन में होगा। सांसद प्रतिनिधि ओपी गेहलोत के अनुसार विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ सहित कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का वर्चुअल संबोधन होगा। प्रात: 6:00 बजे से पूर्व सहभागीगण की उपस्थिति, 6 से 6:30 बजे तक अतिथियों का आगमन एवं उद्बोधन, प्रात: 6:30 से 6:40 बजे तक मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण, प्रात: 6:40 से 7:00 बजे तक प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण, प्रात: 7:00 से 7:45 बजे तक सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास, प्रात: 7:45 से 7:50 बजे तक आभार प्रदर्शन के बाद कार्यक्रम समापन होगा। आयोजन को सफल बनाने की अपील उपाध्यक्ष सुभाषचंद्र शर्मा, देवकुंवर पटेल, प्रकाश जैन, कौशल्या ठाकुर आदि ने की है।

जिला पंचायत सदस्य मालवीय की पहल, पेयजल संकट दूर करने के लिए

सार्वजनिक कुएं के जीर्णोद्धार हेतु 2 लाख रुपए स्वीकृत

लोकमाया न्यूज।

नागदा जं., निप्र। ग्राम पंचायत कुंडला के अंतर्गत आने वाले ग्राम भाखेड़ा में वर्षों पुराने सार्वजनिक कुएं की सुध ली गई है, जिससे ग्रामीणों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने वाली है। जिला पंचायत सदस्य राधा मालवीय द्वारा इस ऐतिहासिक और अत्यंत उपयोगी सार्वजनिक कुएं के जीर्णोद्धार के लिए 2 लाख रुपए की राशि की अनुशंसा की गई है। इस राशि के स्वीकृत और आवंटित होने से अब जल्द ही कुएं की मरम्मत और कायाकल्प का कार्य शुरू हो सकेगा। पेयजल संकट से मिलेगी मुक्तिग्राम भाखेड़ा का यह सार्वजनिक कुआं वर्षों पुराना है और पूरे गांव की पेयजल व्यवस्था इसी एकमात्र मुख्य स्रोत पर टिकी हुई है। लंबे समय से देखरेख के अभाव और रखरखाव न होने के कारण यह कुआं जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच चुका था, जिससे

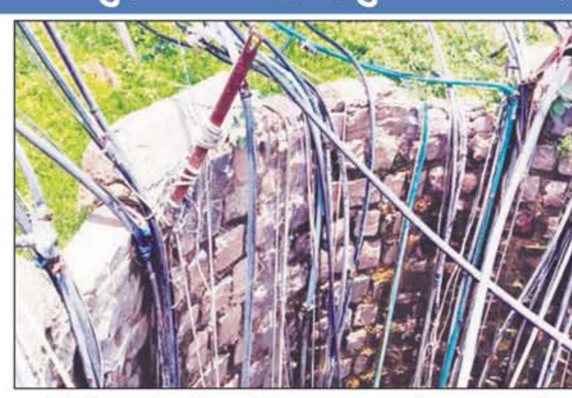

ग्रामीणों के सामने पानी का गंभीर संकट खड़ा होने लगा था। ग्रामीणों की इस जायज और बेहद जरूरी समस्या को देखते हुए जिला पंचायत सदस्य मालवीय ने इस मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर एवं ब्लॉक अध्यक्ष शंकर पटेल के मार्गदर्शन और निर्देशानुसार इस कुएं के जीर्णोद्धार के लिए जिला पंचायत निधि से दो लाख रुपए की राशि स्वीकृत कराने की अनुशंसा की। जिला पंचायत सदस्य सुश्री राधा मालवीय ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कुएं की मरम्मत के लिए अनुशंसित 2 लाख रुपए की राशि ग्राम पंचायत को आवंटित भी हो चुकी है। अब इस राशि से कुएं की सफाई, गहरीकरण, मुंडेर का निर्माण और चारों तरफ सुरक्षा जाली लगाने जैसे आवश्यक कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा हमारा मुख्य उद्देश्य हर ग्रामीण तक स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल पहुंचाना है। इस कुएं के जीर्णोद्धार से भाखेड़ा के ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और आने वाले कई वर्षों तक गांव की जल आपूर्ति सुचारू रूप से चलती रहेगी।

ग्रामीणों ने पुष्पमाला पहनाकर किया स्वागत

भाखेड़ा में कुएं के जीर्णोद्धार के लिए राशि स्वीकृत होने की खबर से पूरे गांव में हर्ष की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने अपनी इस पुरानी और मुख्य समस्या का समाधान होने पर जिला पंचायत सदस्य सुश्री मालवीय का जोरदार स्वागत किया। ग्रामीणों ने मालवीय को पुष्पमालाएं पहनाकर और आभार व्यक्त करते हुए उनके इस जनहितैषी कार्य की सराहना की। इस गरिमामयी अवसर पर प्रतिनिधिसरपंच प्रतिनिधि मुकेश धानक, रामलाल, ताज मोहम्मद, जनसालाग्राम, दशरथ, मोहन, रामरतन, राजाराम, रायसिंह, रईस, शाकिर खां, गुड्डु, मोहम्मद अखलाल, गोरधनलाल, मोहन, सुमित, अनिल, रोहित, सोनू, राजू आदि मौजूद थे।

सक्षम स्थापना दिवस पर सहायक उपकरण किए वितरण

लोकमाया न्यूज।

नागदा जं., निप्र। संस्था सक्षम के 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्नेह हाल में कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें जिलाध्यक्ष चंदन सिंह ने सक्षम द्वारा वर्ष भर किये गए गतिविधियों की जानकारी दी। अतिथि के रूप में सक्षम के कार्यकारिणी सदस्य रमेश सिलावट, दिनेश दस्लानिया, गिगी बाई, अशोक चौहान, पप्पू पानोला, राखी दस्लानिया रहे।

स्वागत स्नेह के विशेष शिक्षक सविता उपाध्याय, गौरव नागर एवं गणेश चौहान ने किया। उपनिदेशक महेश चन्द्र राठौड ने सक्षम संस्था देश के 350 से अधिक जिलों में विभिन्न 21 प्रकार कि दिव्यांगताओं से सम्बंधित दिव्यांगजनों कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पुनर्वास एवं सशक्तिकरण हेतु सात प्रकोष्ठों और सात आयामों के माध्यम से राष्ट्रिय स्तर पर सेवा कार्य संचालित है। उन्होंने अभिभावकों से वर्षभर संपर्क में रहते हुए सहयोग का आह्वान किया। इस अवधि में कुल 766 दिव्यांगजनों को 34.13 लाख की सहायता विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से प्रदान की गई।

इस दौरान बद्रीलाल, भंवरनाथ, भेरुलाल, गीता बाई, हीरालाल प्रजापत, कैलाश पटेल, कलावती पंचाल, रेशम बाई कृष्ण चन्द्र भट्ट, मुख्यतियर, पूनमबाई, रतनबाई, रेशमबाई, एवं ललिता को सहायक उपकरण, व्हील चेयर, ट्राई पोड, कान की मशीन, सिलिकोन कुशन, कमर बेल्ट, घुटने का बेल्ट, छड़ी भेंट की गई। इस अवसर पर धीमहि प्रकोष्ट के संरक्षक रमेश सिलावट एवं सदस्य द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण किया। इस मौके पर परियोजना अधिकारी विप्लव चौहान, विजेंद्रसिंह डोडिया, जीवेन्द्र बिसेन, रंजीता तंवर, गुडिया शर्मा, लोकेश चौहान, पूजा कुंवर, पिंकी मरमट, पूजा खेरवार, सोनु सेन, समरथ चौधरी आदि मौजूद रहे।

चोरी करने आए बदमाशों ने महिला से किया गैंगरेप

लोकमाया न्यूज।

उज्जैन, निप्र। बड़नगर थाना क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां चोरी की नीयत से आए बदमाशों ने एक आदिवासी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। दरिंदों ने इस खौफनाक कृत्य को महिला के 12 साल के मासूम बेटे के सामने अंजाम दिया और विरोध करने पर बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। बड़नगर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह रूह कंपा देने वाली वारदात 18 जून की रात करीब 12 बजे की है। क्षेत्र के एक खेत में चौकीदारी करने वाला आदिवासी दंपति अपने 12 साल के बेटे के साथ झोपड़ी में सो रहा था। इसी दौरान करीब पांच हथियारबंद बदमाश वहां लगी पवन चक्की के कीमती वायर चोरी करने के इरादे से पहुंचे। बदमाशों ने झोपड़ी में सो रहे परिवार को जबरन जगाया और दहशत फैला दी। बदमाशों ने सबसे पहले महिला के पति को खींचकर झोपड़ी से बाहर निकाला और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। इसके बाद कुछ बदमाश पवन चक्की का वायर समेटने लगे। इसी बीच एक बदमाश वापस झोपड़ी में घुसा और महिला को बंदूक दिखाकर पास की झाड़ियों में ले गया, जहां उसने महिला के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता और उसके बेटे के बयानों के अनुसार इसके बाद दो और बदमाश वहां पहुंचे और उन्होंने भी महिला के साथ जबरदस्ती की। इस दौरान बदमाशों ने मासूम बेटे को बंदूक दिखाकर चुप रहने और सीधे खड़े रहने की धमकी दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी सामान समेटकर मौके से फरार हो गए। डरे-सहमे पीड़ित परिवार ने बड़नगर थाने पहुंचकर पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महिला की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस की टीमें आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

अज्ञात महिला की शिनाख्ती सजनबाई के रुप में हुई

लोकमाया न्यूज।

नागदा जं., निप्र। स्टेट हाईवें नंबर 17 पर शुक्रवार की शाम को सडक़ दुर्घटना में मौत का शिकार हुई अज्ञात महिला की शिनाख्ती होने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम करवाकर परिजनों के सुपूर्द किया। शुक्रवार की शाम को स्टेट हाईवें नंबर 17 पर गांव भगतपुरी में मानस पेट्रोल पम्प के समीप अज्ञात कार चालक बुजूर्ग महिला को टक्कर मारकर फरार हो गया, बुजूर्ग महिला की मौके पर की मृत्यु हो गई थी। शिनाख्ती नहीं होने पर पुलिस ने शव को पीएम के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया था। शनिवार की सुबह शिनाख्ती गांव नायन निवासी सजनबाई पति रामलाल परमार उम्र 78 वर्ष के रुप में हुई। बिरलाग्राम पुलिस के प्रधान आरक्षक विशाल मेवाड़ा के अनुसार पीएम के बाद शव परिजनों के सुपूर्द कर दिया गया। सजनबाई के पौते रवि परमार ने बताया कि उनकी दो बेटियां है जिनकी शादी हो चूकी है।

पहली बारिश ने खोली व्यवस्थाओं की पोल, बिजली के करंट से 8 बकरों की मौत

लोकमाया न्यूज।

उज्जैन, निप्र। शनिवार को हुई पहली जोरदार बारिश ने जहां एक ओर उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई, वहीं शहर की प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। जगह-जगह जलभराव, सड़कों की बदहाली और बिजली की लापरवाही के चलते आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। देवास रोड स्थित कावेरी रीजेंसी कॉलोनी में सीवरेज लाइन के लिए की गई खोदाई ने लोगों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले तीन दिनों से कंपनी के कर्मचारी बिना किसी सुरक्षा मानकों और वैकल्पिक मार्ग के मुख्य सड़क खोद रहे थे। बारिश के बाद सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे 50 से अधिक परिवारों का संपर्क शहर से कट गया। वहीं, तेलीवाड़ा चौराहे पर भी बैरिकेडिंग न होने के कारण कई वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हुए। एक अन्य घटना जूना सोमवारिया के वार्ड 13 में हुई। बारिश के दौरान मस्जिद के पास लगे बिजली के खंभे में करंट उतर आया, जिससे 8 बकरों की मौके पर ही मौत हो गई। क्षेत्रवासियों ने बताया कि बिजली विभाग के डीपी को लेकर पहले भी कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन अधिकारियों की अनदेखी के कारण यह हादसा हुआ।

संक्षिप्त समाचार

अग्रसेन चौक में ट्रैफिक सुधार अभियान अधिकारियों ने संभाली कमान

सक्ती। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाने के लिए अग्रसेन चौक में विशेष ट्रैफिक प्रबंधन अभियान चलाया जा रहा है। यातायात अधिकारी सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में चौक का लगातार निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क पर बैरिकेड्स लगाकर वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित किया गया, जिससे जाम की स्थिति पर नियंत्रण रखने में मदद मिल रही है। अभियान के दौरान प्रधान आरक्षक संदीप साहू, आरक्षक रामानंद राठौर, विजय जोले एवं सुभाष सिदार दिलेश्वर साहू भी सक्रिय रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए यातायात व्यवस्था संभाल रहे हैं। अधिकारियों द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित लेन में चलने और अनावश्यक ओवरटेकिंग से बचने की समझाइश दी जा रही है। प्रशासन ने अग्रसेन चौक सहित शहर के

प्रमुख चौक-चौराहों पर विशेष निगरानी रखने और व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना प्राथमिकता है। आने वाले दिनों में और सख्त कदम उठाए जाएंगे, ताकि सक्ती शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह सुचारू और सुरक्षित हो सके। फोटो कैप्शन = अग्रसेन चौक में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने बैरिकेड्स लगाकर निरीक्षण करते यातायात अधिकारी सुरेंद्र सिंह एवं पुलिस कर्मी।

केले की उन्नत खेती से पांच गुना बढ़ी आय

बिलासपुर। सलखा ग्राम निवासी आदिवासी किसान अमृत सिंह पहले अपनी 1.5 हेक्टेयर कृषि भूमि में मुख्य रूप से धान की खेती करते थे। एक ही फसल पर निर्भरता के कारण उनकी वार्षिक आय लगभग 1 लाख रुपये तक सीमित थी। बढ़ती लागत और सीमित आमदनी के कारण आर्थिक प्रगति की संभावनाएँ भी

कम थीं। इसी दौरान राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत फल क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम से उन्हें जोड़ा गया। विभाग द्वारा उन्हें केले की उन्नत खेती के लिए गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री उपलब्ध कराई गई। साथ ही मल्चिंग, ड्रिप सिंचाई एवं अंतरवर्ती फसलों के समावेश संबंधी तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। योजना के अंतर्गत अनुदान सहायता मिलने से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाना उनके लिए आसान हो गया। उद्यानिकी फसलों की खेती शुरू करने के बाद श्री अमृत सिंह की कृषि व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आया। केले की व्यावसायिक खेती और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से उत्पादन में वृद्धि हुई तथा अतिरिक्त आय के नए स्रोत विकसित हुए। परिणामस्वरूप उनकी वार्षिक आय बढ़कर लगभग 5 लाख रुपये हो गई, जो पहले की तुलना में पांच गुना अधिक है। अमृत सिंह का कहना है कि उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन और अनुदान सहायता से उन्हें नई दिशा मिली है। अब वे आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अन्य किसानों को भी पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सफलता की यह कहानी दर्शाती है कि सरकारी योजनाओं, तकनीकी मार्गदर्शन और आधुनिक कृषि पद्धतियों के समुचित उपयोग से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

योग से स्वस्थ जीवन और सशक्त समाज का निर्माण संभव : राजवाड़े

बलरामपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बलरामपुर जिले में स्वस्थ आयु के लिए योग थीम के साथ व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल के हाई स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले की प्रभारी मंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सहभागिता करते हुए विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया तथा नागरिकों को नियमित योग अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक पहचान मिली है। आज विश्व के अनेक देशों में योग को स्वास्थ्य, संतुलन और मानव कल्याण के प्रभावी माध्यम के रूप में अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का विज्ञान है। योग और अध्यात्म एक-दूसरे के पूरक हैं तथा यह व्यक्ति को स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवन की दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। योग ऐसी प्राचीन भारतीय साधना है, जो तन, मन और आत्मा को संतुलित कर निरोग जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। योग व्यक्ति में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और नई ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए उपस्थित लोगों को नियमित योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा चेरवा, नगर पालिका अध्यक्ष श्री लोधीराम एक्का, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सक्ती में दो-दो जिला शिक्षा अधिकारी! हाईकोर्ट के स्थगन आदेश से बना रोचक प्रशासनिक समीकरण

(लोकमाया न्यूज)।

सक्ती। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 10 जून 2026 को जारी तबादला आदेश के बाद सक्ती जिले में जिला शिक्षा अधिकारी (ष्ठश्वह्र) के पद को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। शासन के आदेश के तहत बिलासपुर में पदस्थ प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार तांडे का तबादला सक्ती किया गया था, जिसके बाद उन्होंने यहां पदभार भी ग्रहण कर लिया। वहीं, सक्ती में पदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती कुमुदिनी बाघ द्विवेदी ने तबादला आदेश के विरुद्ध उच्च न्यायालय की शरण ली। सूत्रों के अनुसार, उन्हें सक्ती में पदस्थ हुए अभी एक वर्ष भी पूर्ण नहीं हुआ था। इसी आधार पर उन्हें हाईकोर्ट से स्थगन आदेश प्राप्त हुआ है। स्थिति को और दिलचस्प बनाने वाली बात यह है कि विजय कुमार तांडे द्वारा पदभार ग्रहण किए जाने के बावजूद वित्तीय प्रभार अभी भी श्रीमती कुमुदिनी बाघ द्विवेदी के पास ही है। ऐसे में जिले में एक ही पद पर दो अधिकारियों की मौजूदगी चर्चा का विषय बनी हुई है।सूत्रों की मानें तो विजय कुमार तांडे ने भी मामले में अपने पक्ष को लेकर हाईकोर्ट में आवेदन प्रस्तुत किया है। अब सभी की निगाहें न्यायालय और शासन के अगले निर्णय पर टिकी हैं कि सक्ती जिले में जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर अंतिम रूप से किसे जिम्मेदारी मिलती है। सरकारी विभागों में स्थानांतरण और न्यायालयीन प्रक्रियाओं के चलते एक ही पद पर दो अधिकारियों की दावेदारी की स्थिति पहले भी देखने को मिल चुकी है। फिलहाल सक्ती शिक्षा विभाग में यही स्थिति प्रशासनिक हलकों में चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

बुद्धिजीवी वर्ग एवं विशिष्ट जन सम्मेलन सम्पन्न

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का हुआ आयोजन

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। भारतीय जनता पार्टी जांजगीर-चाम्पा द्वारा 12 वर्ष विकास के, विश्वास के, जनकल्याण के अभियान के अंतर्गत विकसित भारत संकल्प सम्मेलन एवं बुद्धिजीवी वर्ग, विशिष्ट जन सम्मेलन का सफल आयोजन अग्रसेन भवन नैला में किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजनों, बुद्धिजीवियों एवं विशिष्ट नागरिकों ने सहभागिता कर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प जनभागीदारी से ही पूर्ण होगा और प्रत्येक नागरिक की भूमिका इसमें महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर कमलेश जांगड़े सांसद जांजगीर-चाम्पा, नारायण चंदेल, रामदेव कुमावत, राजेंद्र वैष्णव, अम्बेश जांगड़े (जिलाध्यक्ष भाजपा), संतोष लहरे, गुलाब सिंह चंदेल, श्रीमती सत्यलता मिरि, नंद चौधरी, भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और सशक्त भारत के संकल्प के साथ हुआ। सभी उपस्थितजनों ने राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण हेतु निरंतर योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया।

सहभागिता का संकल्प

कार्यक्रम में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, गरीब कल्याण, किसानों के उत्थान, युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर, महिलाओं के सशक्तिकरण तथा भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित बुद्धिजीवियों एवं विशिष्ट जनों ने विकसित भारत निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23 वीं किस्त जारी

जिले के 120719 किसानों के खाते में आए 24.15 करोड़ रुपये

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर, हुगली से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त किसानों के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित किया गया। जिसके तहत कृषि विज्ञान केंद्र जांजगीर-चांपा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिले के 120719 किसानों के डीबीटी बैंक खाते में 24.15 करोड़ रू. हस्तांतरित किये गये हैं। कृषि विकास और किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त के तहत देश के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों को 18,880 हजार करोड़ से अधिक की राशि का हस्तांतरण किया।

कृषि विभाग के उप संचालक राकेश कुमार शर्मा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ खरीफ फसलों में धान के अलावा दलहन एवं तिलहन फसलों के क्षेत्र में विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने जिले के किसानों को मिट्टी परीक्षण कराने की भी जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ. के. डी. महन्त ने किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व और लाभ के बारे में जानकारी दी। साथ ही जीवामृत एवं बीजामृत बनाने की विधि और उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही विकासखंडों में कृषक एवं जनप्रतिनिधियों ने सीधा प्रसारण देखा। इसके अलावा ग्राम स्तर पर भी किसानों को कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया।

रंग-बिरंगे परिधानों में योगमय हुआ सक्ती जनप्रतिनिधियों-अधिकारियों ने किया सामूहिक योग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर गूंजा 'करो योग, रहो निरोग'

(लोकमाया न्यूज)।

सक्ती। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय सक्ती स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांसद, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्कूली छात्र-छात्राओं एवं नगरवासियों ने एकजुट होकर सामूहिक योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने योग को स्वस्थ, सुखी और तनावमुक्त जीवन का आधार बताते हुए नियमित योग करने का संदेश दिया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने ''करो योग, रहो निरोग'' का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सभी प्रतिभागियों को सामूहिक शपथ दिलाई गई। उपस्थित लोगों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। जिले के सभी विकासखंडों में भी उत्साहपूर्वक योग दिवस मनाया गया और लोगों ने योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

6 निजी कृषि केन्द्रों का किया गया लायसेंस निलंबित

उर्वरक वितरण में अनियमितता पर की गयी कार्यवाही

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। उप संचालक कृषि जांजगीर-चाम्पा के अगुवाई में जिला एवं विकासखण्ड स्तर के उर्वरक निरीक्षकों द्वारा लगातार निजी कृषि केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि खरीफ सीजन में किसानों को शासकीय दर पर एवं गुणवत्तायुक्त खाद उपलब्ध हो सके है। साथ ही निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाये जाने पर लगातार कारवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में मेसर्स राजेश टेडर्स नवागढ़, मेसर्स पटेल कृषि केन्द्र तुस्मा, मेसर्स रोशन कुमार अग्रवाल पोड़ी, मेसर्स विकास टेडर्स खरौद एवं मेसर्स प्रकाश कृषि केन्द्र खरौद द्वारा निरीक्षण के दौरान पॉस मशीन में दर्ज उर्वरक एवं भौतिक रूप से उपलब्ध उर्वरकों का सही मिलान ना होना, किसानों को सत्यापित कैश मेमो बिल जारी ना करना, लायसेंस चस्पा, उर्वरक वितरण रजिस्टर संधारण नही करना एवं निर्धारित मूल्य बोर्ड नही पाये जाने इत्यादि अनियमितता पाये जाने एवं कारण बताओ नोटिस का संतोषप्रद जवाब नही दिये जाने के कारण इनका उर्वरक विक्रय लायसेंस 21 दिनों के लिए निलंबन कर दिया गया है। इसी प्रकार मेसर्स अभिषेक एग्रो कटनई विकासखण्ड अकलतरा के यहाँ निरीक्षण के दौरान पॉस मशीन में दर्ज उर्वरक एवं भौतिक रूप से उर्वरक उपलब्ध नही होने एवं विगत 2 वर्षो से उर्वरक का व्यवसाय नही किये जाने के कारण उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के खण्ड 31 (1) एवं 4,5,19 एवं 35 की धारा का उल्लंघन किये जाने पर उर्वरक विक्रय लायसेंस को हमेशा के लिए निरस्त कर दिया गया है।

सेमरिया में छात्रों, शिक्षक व पालकों ने किया योगाभ्यास

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक शाला सेमरिया विकासखण्ड बम्हनीडीह में प्रात: योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र - छात्राओं, शिक्षक व पालक जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीण जनता शामिल हुए। इस पर प्रधान पाठक उमेश कुमार दुबे ने कहा कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है और मन की एकाग्रता बढ़ती है। मिडिल स्कूल प्रधानपाठक डॉ. उमेश कुमार दुबे ने अपने संदेश में कहा है कि जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है स्वस्थ रहना योग मनुष्य की शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ाता है। हम भी अपने जीवन में योग को जोड़े और रोग दूर भगाएं। योग सिर्फ कसरत नहीं है,बल्कि ये एक ऊर्जा के रूप में काम करता है।आप योग को अपनाकर पूरी उम्र सेहतमंद और बीमारियों से बचे रह सकते हैं। कोरोना काल में यह स्पष्ट हो गया है कि केवल धन संपदा ही महत्वपूर्ण नही है,बल्कि स्वस्थ तन और स्वस्थ मन दोनों की आवश्यकता होती है।इसलिए तंदुरूस्त रहने के लिए नियमित योग बहुत जरूरी है।योग हमारी प्राचीन परंपरा है।यदि हम सब नियमित रूप से योग करें तो तन भी स्वस्थ रहेगा और मन भी स्वस्थ रहेगा। जीवन में सकारात्मकता आएगी।इसलिए योग नियमित करें। इसका लाभ उठाएं। योग शिक्षक पितांबर प्रसाद कश्यप ने कहा कि हम लोग आज के समय में शारीरिक श्रम कम करते हैं जिसके कारण हम लोग रोग से ग्रस्त होते जा रहे हैं से बचने के लिए योग प्रतिदिन अति आवश्यक है शाला प्रबंधन के अध्यक्ष राजू साहू, सरपंच प्रतिनिधि रामस्वरूप कश्यप ने कहा कि तन और मन दोनों स्वस्थ रहेंगे तो हम किसी भी विपरीत परिस्थिति का सामना कर सकेंगे। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि रामस्वरूप कश्यप, राजू कश्यप, उमेश कुमार दुबे, पितांबर कश्यप, टीकाराम गोपालन, अनुपमा जांगड़े, कौशल यादव, संतोष चंद्रा सहित पंचगण भी उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों किया जायेगा डोर टू डोर सर्वे

नवागढ़ ब्लाक के शिक्षकों को दिया गया गहन प्रशिक्षण

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान नामांकन एवं आवश्यक शैक्षणिक सहयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में वर्णित 21 प्रकार की दिव्यांगताओं की पहचान करने हेतु राज्य में 0 से 18 आयु वर्ग के बच्चों का व्यापक सर्वेक्षण अभियान चलाया जाना है। इस हेतु नवागढ़ विकासखण्ड में सर्वेक्षण के प्रभावी संचालन हेतु बीईओ अशोक कुमार पाटले, बीआरसीसी श्रीमती रिषीकांता राठौर, बीआरपी सुश्री अंजू मिश्रा के मार्गदर्शन में नवागढ़ ब्लाक के कुल 42 संकुलों के प्राथमिक व मिडिल स्कूलों को 4 भागों में बाटकर जांजगीर व नवागढ़ में 15 से 19 जून तक गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मास्टर ट्रेनर राजेश कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि सर्वेक्षण के व्यापक कार्ययोजना के अंतर्गत जमीनी स्तर के कर्मचारियों जिसमें प्रत्येक विद्यालय से एक शिक्षक आंगनबाडी कार्यकर्ता, मितानिन का दल गठन कर प्रत्येक ग्राम स्तर पर सर्वेक्षण का किया जाना है। सर्वेक्षण से सम्बंधित प्रपत्र एवं 21 प्रकार की दिव्यांगता से संबंधित चेकलिस्ट व सर्वेक्षण कार्य करने का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि मानटिरिंग संकुल स्तर, विकासखण्ड स्तर एवं जिला स्तर पर किये जाने हेतु टीम का गठन किया गया है, जिसमें क्रमश: विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, खण्ड स्त्रोत समन्वयक एवं जिला स्तर पर सहायक कार्यक्रम समन्वयक समावेशी शिक्षा द्वारा किया जाएगा। जुलाई के प्रथम सप्ताह तक सर्वे का कार्य पूर्ण किया जाना है। सर्वेक्षण उपरांत विभिन्न स्तर पर आंकड़ों का संकलन एवं सत्यापन कर जिला कार्यालय समग्र शिक्षा को प्रेषित किया जाएगा। चिन्हांकित दिव्यांग बच्चों को शिक्षा व्यवस्था से जोड़ते हुए शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्रदान कराया जाएगा जैसे-सहायक उपकरण आवश्यक उपचार, थेरेपी, गृहआधारित शिक्षा, छात्रवृत्ति दिव्यांगता प्रमाण-पत्र हेतु आंकलन शिविर का आयोजन जैसे कार्यक्रम विभिन्न विभागों के सहयोग से संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण में बताया गया कि दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन में पूरी संवेदनशीलता एवं गम्भीरता बरते ताकि कोई भी पात्र बच्चा सर्वेक्षण से वंचित न रहे। दिव्यांगता के लक्षणों की सूक्ष्म पहचान, श्रेणी का निर्धारण कर सावधानीपूर्वक परीक्षण के साथ-साथ दिव्यांगताओं के प्रकार, खासतौर से सामान्य रूप से दिखाई न देने वाले लक्षण से ग्रसित बच्चों की पहचान चेकलिस्ट के आधार पर करने, सर्वे प्रपत्र के त्रुटिरहित तैयार करने का निर्देश एवं मार्गदर्शन करते हुए सर्वेक्षण कार्य का समयबद्ध एवं प्रभावीरूप से सम्पादित करने के संबंध में बताया गया।

प्राथमिक व मीडिल स्कूल कुटरा में मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। जिले के नवागढ़ ब्लाक के संकुल केन्द्र कुटरा अंतर्गत प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला कुटरा में संयुक्त रूप से 18 जून को शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें सरपंच व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी,शाला प्रबंधन समिति सहित पालकों व स्टाफ की मौजूदगी में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर व मुंह मीठा कर अभिनन्दन किया। नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को पाठ्यपुस्तक, गणवेश का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने सभी नवप्रवेशी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह हमेशा बना रहे। विद्यार्थी सफल होने के लिए अपनी पूरी क्षमता से प्रयास करें, निष्ठा और लगन के साथ मेहनत करें। सही दिशा, दशा और व्यक्तित्व का निर्माण स्कूल में ही होता है। भविष्य संवारने के लिए विद्यार्थियों को मेहनत करना जरुरी है। इस अवसर पर बीईओ श्री पाटले, सरपंच बृहस्पति कश्यप, प्रधान पाठक श्रीमती इंदिरा शुक्ला, संकुल प्रभारी संदीप श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक देवेन्द्र साहू, सुलोचना साहू, श्रीमती सरोज सिंह सर्वे, आशा साहू, विजय बंजारे, प्रभावती राठौर, ज्योति तिवारी, रमेश कारके, उत्तरा, संतोष कुमार जगत, राधेलाल नामदेव, हरिकृष्ण सोनी, मिथुन, राजेश व पालकगण उपस्थित रहे।

लोकमाया
dainiklokmaya@gmail.com
रायपुर, रविवार 21 जून 2026

सम्पादकीय

स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित

2024 में देश में कुल जितनी मौतें हुई, उनमें से 45.5 प्रतिशत लोग बिना किसी इलाज के काल-कवलित हुए। गांवों में ये आंकड़ा 48.9 फीसदी रहा। ये आंकेड़े बदतर होते हालात की झलक देते हैं।

चौंकाने वाला यह आंकड़ा संकेत है कि किस तरह आम लोग बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित होते जा रहे हैं। इसके मुताबिक 2024 में देश में कुल जितनी मौतें हुई, उनमें से 45.5 प्रतिशत लोग बिना किसी इलाज के काल- कवलित हुए। गांवों में ये आंकड़ा 48.9 फीसदी रहा। सरकार की सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) सांख्यिकी रिपोर्ट में शामिल ये आंकेड़े बदतर होते हालात की झलक देते हैं। गौरतलब है कि 2020 में इलाज से वंचित रहते हुए मरे लोगों की संख्या 18 प्रतिशत थी। एसआरएस रिपोर्ट में उन व्यक्तियों की मौत को बिना इलाज की श्रेणी में रखा जाता है, जो मृत्यु के समय प्रशिक्षित चिकित्साकर्मी की देखभाल में नहीं थे।

ऐसी मौतों की संख्या में तेज वृद्धि को लेकर विशेषज्ञ भी भौंचक हैं। उनके मुताबिक कारण स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव, इलाज का महंगा हो जाना या फिर आंकड़ा जुटाने की विसगंतियां हो सकती हैं। मगर विसंगतियों की बात एक दूसरे आंकड़े से कमजोर नजर आने लगती है। इसके मुताबिक 2024 में कुल मौतों के बीच सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के अस्पतालों में हुई मौत का जो अनुपात रहा, वह 2014 की संख्या के आसपास ही है। मतलब यह कि इस दौर में अस्पताल सेवाओं का ऐसा विस्तार नहीं हुआ, जो आम जन को सुलभ हो। अब जरूरत इस बात की है कि एसआरएस सांख्यिकी रिपोर्ट से मिले संकेतों की अधिक गहराई से पड़ताल की जाए। मगर मौजूदा सरकार का जो नजरिया है, उसके बीच ऐसा होने की उम्मीद कम ही है। संभवतः अप्रिय तथ्यों से बचने के प्रयास का ही यह उदाहरण है कि नेशनल फैमिली एंड हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस)-6 की जारी रिपोर्ट में रक्तक्षीणता (एनिमिया), पांच वर्ष से कम उम्र में होने वाली मौतों, शौचालय और स्वच्छ रसोई गैस की उपलब्धता आदि से संबंधित आंकड़े नहीं दिए गए हैं। एनएचएफएस-5 से सामने आया था कि 15-49 वर्ष उम्र वर्ग में 57 फीसदी महिलाएं एनिमिया ग्रस्त हैं। ये स्थितियां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और आम पालन-पोषण बढ़ी गैर-बराबरी और बड़ी संख्या लोगों के वंचित होते जाने का संकेत हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ये हकीकतें आम बहस से दूर बनी रहती हैं।

एफटीए विकसित भारत के लिए नई व्यापार संरचना का निर्माण कर रहे हैं

राजेश अग्रवाल

विकसित भारत का विज़न हासिल करने के लिए अगले दो दशकों तक आर्थिक विकास की उच्च दर बनाए रखना ज़रूरी है। भारत का विशाल घरेलू बाजार इस विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन है, लेकिन केवल इसी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक प्रतिस्पर्धी पैमाने और वास्तविक तकनीकी परिवर्तन हासिल करने के लिए, भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के नेटवर्क के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ मजबूती से एकीकृत हो रहा है। जहां डब्ल्यूटीओ समझौते नियम-आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली के लिए आधारशिला प्रदान करते हैं, वहीं एफटीए इच्छुक साझेदारों को डब्ल्यूटीओ आधारशिला पर आगे बढ़ाते हुए रुचि के अन्य क्षेत्रों में अधिक गहराई से एकीकरण करने में सक्षम बनाते हैं। आर्थिक एकीकरण और साझेदार देशों के अनुसार नियम बनाने के महत्वपूर्ण चालक के रूप में वर्तमान में लागू 384 अधिसूचित एफटीए अपनी उपयोगिता रेखांकित करते हैं। ये एफटीए महत्वपूर्ण बाजार तक पहुंच बनाने और भारतीय व्यवसायों को वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के अनिश्चित हालात से बचाने के लिए संस्थागत रूपरेखा (ब्लूप्रिंट) हैं।

वैश्विक आर्थिक अवसरों तक पहुंच भी उन भारतीय व्यवसायों के लिए जरूरी है, जो बड़े पैमाने पर काम करके वैश्विक चैम्पियन के तौर पर उभरना चाहते हैं। लेकिन फायदा केवल बड़े व्यवसायों तक सीमित नहीं है; एफटीए स्टार्ट-अप, एमएसएमई, किसानों, मछुआरों और भारतीय प्रतिभा के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर के द्वार खोलते हैं, जो अपनी क्षमताओं का विश्व स्तर पर लाभ उठाना चाहते हैं। ये बाध्यकारी प्रतिबद्धताएँ टैरिफ, सेवा बाजार तक पहुंच और पारदर्शी व्यापार नियमों को शामिल करती हैं, जिससे भारतीय व्यवसायों को लंबी अवधि के निवेश के लिए भरोसेमंद वातावरण मिलता है।

भारत की व्यापार बातचीत की रणनीति काफी विकसित हो चुकी है, और इसका ध्यान उन पूरक अर्थव्यवस्थाओं पर है, जो वस्तु और सेवाओं के लिए मुख्य निर्यात बाजार के रूप में काम करती हैं। हाल के मुक्त व्यापार समझौतों का एक मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय संघ, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में समान अवसर प्राप्त हों। यह समानता विशेष रूप से वस्त्र, परिधान और जूते जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों के लिए जरूरी है, जहां ऐतिहासिक रूप से भारतीय उत्पादों पर भारी टैरिफ लगता रहा है, जबकि प्रतिस्पर्धियों को शुल्क मुक्त पहुँच मिलती है। कनाडा, इज़राइल और ईएईयू और एमईआरसीओएसयूआर जैसे समूहों के साथ भी भारत व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है।

सेवाएँ भारत की निर्यात रणनीति और इसके एफटीए वार्ताओं के केंद्र में हैं। सीमापार डिजिटल डिलीवरी पर पक्के वादे

करके, हाल के एफटीए, तेजी से बढ़ते वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) इकोसिस्टम, तकनीकी स्टार्टअप्स और डिजिटल नवोन्मेषियों के बीच निवेशकों के भरोसे को बढ़ाने में मदद करते हैं।

डिजिटल डिलीवरी सेवाओं के अलावा, एफटीए ने भारत को वार्ताओं में नए तरीके अपनाने का मौका दिया है, जिससे ऐसी बाध्यकारी प्रतिबद्धताएँ हासिल हुई हैं, जो भारतीय प्रतिभा, खासकर युवाओं के आवागमन को बढ़ाती हैं। मुख्य उपलब्धियों में शामिल हैं - छात्र और पेशेवरों के लिए आवागमन प्रावधान और साइड-लेटर, भारत-यूके दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) जैसे फ्रेमवर्क, जो अस्थायी कार्य के लिए दोहरी सामाजिक सुरक्षा कराधान को रोकते हैं, और योग जैसे खास क्षेत्रों में आवागमन अधिकार।

भारत के नई पीढ़ी के एफटीए की एक विशेषता व्यापार और निवेश के बीच गहरे संबंध को मान्यता देना है। प्रमुख वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान करके और प्रमुख निर्माण सामग्री के आयात को आसान बनाकर, यह नेटवर्क बढ़ती मांग के साथ मिलकर भारत को निर्माण और निवेश के लिए बेहद आकर्षक गंतव्य बनाता है।

हाल के समझौते और आगे बढ़ते हुए बाजार तक पहुंच को निवेश परिणामों से सीधे जोड़ते हैं। इसका प्रमुख उदाहरण है, भारत-ईएफटीए समझौता, जिसमें यह शर्त रखी गयी है कि ईएफटीए देशों को भारतीय बाजार तक पहुंच तभी मिलेगी, जब वे 100 बिलियन डॉलर के एफडीआई का वादा करेंगे और भारत में दस लाख नौकरियां पैदा करेंगे। भारत-न्यूजीलैंड एफटीए में भी ऐसे ही प्रावधान हैं, जिनके तहत लंबे समय के निवेश के वादे के बदले भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार तक पहुंच की सुविधा दी गयी है।

आधुनिक व्यापार अब केवल टैरिफ तक सीमित नहीं है; इसके लिए 21वीं सदी के आयामों को समझना और नियमों पर ध्यान देना जरूरी है, जैसे व्यापार में तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), स्वच्छता और पादप-स्वच्छता से जुड़े उपाय (एसपीएस), और व्यापार सुगमता (टीएफ)। भारत के अगली पीढ़ी के एफटीए इन रूपरेखाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

अक्सर, टैरिफ़ की तुलना में उत्पाद मानक और अन्य नियामक आवश्यकताएँ बाजार तक पहुँचने में ज़्यादा बड़ी रुकावटें पैदा करती हैं। भारत के एफटीए में नियामक समन्वय और सहयोग के प्रावधान भारतीय निर्यातकों के संदर्भ में इन बाधाओं को कम करने के लिए व्यवस्थित व संस्थागत तरीके प्रदान करते हैं।

पर्यावरण और श्रम मानक व्यापार में संभावित बाधाओं के रूप में उभर रहे हैं और इनके लिए उपाय न करना अब कोई विकल्प नहीं है। भारत के नए एफटीए इन चिंताओं को दूर करने के लिए ऐसी सहयोगात्मक व्यवस्था पेश करते हैं, जिससे भारतीय हितों को नुकसान न पहुंचे। ये वैश्विक साझेदारों को भरोसा दिलाते हैं कि भारत मानकों के मामले में सबसे निचले स्तर पर पहुँचने की होड़ से बचते हुए, वास्तविक नवाचार और बड़े पैमाने पर काम करके प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करना चाहता है।

भारत की एफटीए नीति टुकड़ों में नहीं है, या देश-दर-देश नहीं है। यह जानबूझकर ऐसी पूरक अर्थव्यवस्थाओं को लक्षित करती है, जिनकी वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में दो-तिहाई और वैश्विक आयात मांग में 75 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। सबसे जरूरी बात यह है कि इन एफटीए पर बातचीत हितधारकों की निरंतर भागीदारी और संपूर्ण सरकार दृष्टि पर निर्भर करती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि व्यापार नीति भारत के औद्योगिक विकास, नवाचार और सामाजिक-आर्थिक प्रगति जैसी व्यापक प्राथमिकताओं के अनुरूप है और समझौते इस तरह से बनाए जाएँ कि संवेदनशील क्षेत्र और आबादी सुरक्षित रहें।

ब्रिक्स और कृषि व्यापार की नई दिशा

ब्रिक्स देशों के बीच कृषि के क्षेत्र में कई तरह की पूरकताएं हैं। ब्राजील सोयाबीन, मांस और चीनी का बड़ा निर्यातक है। रूस अनाज और उर्वरकों में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। भारत चावल, समुद्री उत्पाद, मसाले, भैंस के मांस और छोटे किसानों से जुड़ी कई कृषि वस्तुओं में मजबूत स्थिति रखता है। चीन खाद्य पदार्थों का बड़ा आयातक और प्रसंस्करण करने वाला देश है। दक्षिण अफ्रीका इस समूह को अफ्रीका के महत्वपूर्ण कृषि-खाद्य बाजारों से जोड़ता है। नए सदस्य भी इसमें नए आयाम जोड़ते हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब लॉजिस्टिक्स, वित्त और खाद्य सुरक्षा निवेश के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं।

एम.एल. जाट एवं स्मिता सिरोही

भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता ऐसे समय कर रहा है जब कृषि व्यापार की चर्चा केवल शुल्क और बाजार पहुंच तक सीमित नहीं रह गई है। जलवायु संकट, खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव, उर्वरकों की आपूर्ति में रुकावट, सतत उत्पादन से जुड़े मानक, उत्पाद के स्रोत और गुणवत्ता की डिजिटल जानकारी तथा संकट के समय बाजारों को खुला रखने की जरूरत अब कृषि व्यापार के अहम मुद्दे बन चुके हैं।

कृषि क्यों महत्वपूर्ण है

ब्रिक्स के विस्तार के बाद यह समूह अब दुनिया की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। संयुक्त राष्ट्र की व्यापार एवं विकास संस्था, अंकटाड, के हालिया आकलन के अनुसार, ब्रिक्स देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 2003 के बाद तेरह गुना से अधिक बढ़ा है और 2024 में 1.17 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। कृषि इस बड़े व्यापारिक परिदृश्य का केवल एक हिस्सा हो सकती है, लेकिन राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से यह सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में है। जब खाद्य पदार्थ महंगे होते हैं, उर्वरकों की आपूर्ति रुकती है या समुद्री मार्गों में अनिश्चितता आती है, तो इसका सीधा असर किसानों, उपभोक्ताओं और सरकारों पर पड़ता है। इसलिए कृषि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है।

ब्रिक्स देशों के बीच कृषि के क्षेत्र में कई तरह की पूरकताएं हैं। ब्राजील सोयाबीन, मांस और चीनी का बड़ा निर्यातक है। रूस अनाज और उर्वरकों में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। भारत चावल, समुद्री उत्पाद, मसाले, भैंस के मांस और छोटे किसानों से जुड़ी कई कृषि वस्तुओं में मजबूत स्थिति रखता है। चीन खाद्य पदार्थों का बड़ा आयातक और प्रसंस्करण करने वाला देश है। दक्षिण अफ्रीका इस समूह को अफ्रीका के महत्वपूर्ण कृषि-खाद्य बाजारों से जोड़ता है। नए सदस्य भी इसमें नए आयाम जोड़ते हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब लॉजिस्टिक्स, वित्त और खाद्य सुरक्षा निवेश के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। मिस्र और इथियोपिया अफ्रीका की खाद्य प्रणाली से जुड़ी चिंताओं को सामने लाते हैं, जबकि इंडोनेशिया पाम ऑयल, मत्स्य क्षेत्र और उष्णकटिबंधीय कृषि की ताकत जोड़ता है।

आपसी ताकतों को ठोस व्यवस्था में बदलना

लेकिन केवल बड़े पैमाने और आपसी ताकतों के मेल से अपने-आप मजबूत व्यापार व्यवस्था नहीं बनती। आगामी ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक भारत को यह अवसर देती है कि वह सहयोग को कुछ ठोस दिशाओं में आगे बढ़ाए। इनमें भरोसेमंद व्यापार व्यवस्था, बीज, उर्वरक और अन्य उत्पादन सामग्री की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला, बेहतर बाजार जानकारी और ऐसी मूल्य श्रृंखलाएं शामिल हैं जिनमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी हो। भरोसेमंद व्यापार व्यवस्था को शुरुआती प्राथमिकता मिलनी चाहिए। कृषि व्यापार में केवल माल भेजना पर्याप्त नहीं है; यह भी उतना ही जरूरी है कि उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और स्रोत पर भरोसा हो। कृषि व्यापार सुविधा पर 2024 के ब्रिक्स सिद्धांत पहले ही खाद्य सुरक्षा, पशु-पौध स्वास्थ्य और तकनीकी मानकों से जुड़े सहयोग, एक-दूसरे के मानकों को स्वीकार करने की व्यवस्था, कम व्यापार लागत और डिजिटल व्यापार सुविधा जैसे बुनियादी मुद्दों को मान्यता देते हैं। भारत इस एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल प्रमाणपत्रों, उत्पाद के स्रोत और गुणवत्ता की भरोसेमंद डिजिटल जानकारी, नियामकों के बीच तेज संवाद और उत्पादकों व निर्यातकों की क्षमता निर्माण पर जोर दे सकता है।

दूसरी प्राथमिकता मजबूत आपूर्ति श्रृंखला होनी चाहिए। खाद्य व्यापार को उर्वरक, ऊर्जा, पशु आहार, बीज, ढुलाई-भंडारण और वित्त से अलग करके नहीं देखा जा सकता। भारत के लिए यह कोई दूर की चिंता नहीं है। उसके उर्वरक और ऊर्जा आयात का आधे से अधिक हिस्सा ब्रिक्स देशों से आता है। इसलिए उत्पादन सामग्री की सुरक्षा सीधे कृषि की मजबूती से जुड़ी हुई है। पश्चिम एशिया के हालिया संकटों ने दिखाया है कि खाद्य पदार्थों के बाजार तक पहुंचने से बहुत पहले ही उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इसलिए ब्रिक्स सहयोग में उर्वरकों और अन्य उत्पादन सामग्री के बाजारों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली, भंडार और कीमतों पर पारदर्शी जानकारी, और जरूरी कृषि सामग्री की आपूर्ति में अचानक आने वाली रुकावटों को कम करने की व्यवस्था शामिल होनी चाहिए।

तीसरी प्राथमिकता बेहतर बाजार जानकारी है। ब्रिक्स अनाज विनिमय का विचार इस बात की जरूरत को दिखाता है कि खाद्य बाजारों में अधिक पारदर्शिता, बेहतर मूल्य संकेत और खाद्य सुरक्षा की तैयारी होनी चाहिए। भारत इस दिशा में ब्रिक्स कृषि अनुसंधान मंच के भीतर कृषि बाजार जानकारी से जुड़ी एक व्यवस्था का प्रस्ताव रख सकता है। यह मंच पहले से ही ज्ञान से कार्य की दिशा में विकसित किया जा रहा है। ऐसी व्यवस्था खाद्य भंडार, फसल की स्थिति, उर्वरक कीमतों, जहाजरानी जोखिमों, खाद्य सुरक्षा और पशु-पौध स्वास्थ्य से जुड़े अलर्ट तथा प्रमुख कृषि जिंसों के रुझानों पर नियमित जानकारी दे सकती है। इससे देश संकट गहराने से पहले ही तैयारी कर सकेंगे।

व्यापार को किसान-केन्द्रित बनाना

चौथी प्राथमिकता ऐसी मूल्य श्रृंखलाएं होनी चाहिए जिनमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 : स्वस्थ जीवन और विकसित भारत का आधार बनेगा योग

योग फॉर हेल्दी एजिंग: स्वस्थ और सक्रिय जीवन की दिशा में एक कदम

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर

भारत में प्राचीन काल से ही योग हमारी जीवनशैली और संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। ऋषि-मुनियों, योगियों और संतों ने योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर, शांत मन और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया। भारतीय ज्ञान परंपरा की यह अमूल्य धरोहर आज विश्वभर में स्वास्थ्य और कल्याण का पर्याय बन चुकी है। इसी विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की, जो आज विश्वव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग (स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था के लिए योग) रखी गई है। यह थीम योग के माध्यम से जीवन के प्रत्येक चरण में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का संदेश देती है। योग न केवल रोगों से बचाव का प्रभावी माध्यम है, बल्कि स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली की आधारशिला भी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में योग आज विश्व के करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। प्रधानमंत्री का मानना है कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है। योग व्यक्ति को स्वस्थ बनाकर परिवार समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने का माध्यम बनता है इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर का मुख्य आयोजन कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है जहां प्रधानमंत्री स्वयं योगाभ्यास का नेतृत्व करेंगे।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का राज्य स्तरीय मुख्य समारोह अंबिकापुर में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं योगाभ्यास में सहभागिता करेंगे और प्रदेशवासियों को नियमित योग अपनाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देंगे। राज्य सरकार द्वारा योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय का मानना है कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। यही कारण है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य संवर्धन और जनजागरूकता अभियानों में योग को विशेष महत्व दे रही है।

प्राकृतिक संसाधनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ में योग का संदेश लोगों के जीवन से सहज रूप से जुड़ता है। प्रदेश के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली योग के मूल सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करती है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों और शासकीय संस्थानों में नियमित योग गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्तमान समय में बढ़ते तनाव, अनियमित जीवनशैली और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के बीच योग एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान के रूप में उभरा है। नियमित योगाभ्यास शरीर को निरोग, मन को शांत और जीवन को संतुलित बनाता है। यह व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करता है।

आज का राशिफल

मेष राशि-आज आपके सोचे हुए सारे काम पूरे हो जाएंगे। जो काम रुके हुये थे वो आज मन-मुताबिक पूरे होंगे। इस राशि के बिजनेसमैन अगर किसी नये बिजनेस को शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज से इसकी शुरूआत कर दें साथ ही फायदे के कुछ नये सौदे भी हाथ आएंगे।

वृष राशि- आपके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आज आपको आपके सभी क्षेत्रों में सफलता के योग बन रहे हैं। पारिवारिक सौहार्द में बढ़ोतरी होगी। शांति पूर्ण माहौल में अपनों के साथ समय बिताएंगे। आय के कुछ नये स्रोत मिलेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनेगी।

मिथुन राशि- आपके लिए आज का दिन रोज से अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। आपकी बात करने की कला से लोग प्रभावित होंगे। आपकी तरक्की के चांसेस बढ़ेंगे।

कर्क राशि- आपके लिए आज का दिन प्रसन्नता लेकर आएगा। आपके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों के साथ किसी तरह के वहस करने से बचें। आपको आपकी मेहनत के अनुकूल परिणाम मिलेंगे। जिससे आपका मन खुश रहेगा।

सिंह राशि- आज आपका दिन नई उम्मीद लेकर आएगा। आपके काम करने की क्षमता बढ़ेगी। नौकरी करने वालों के लिए प्रमोशन के योग बन रहें हैं। साथ ही आपका ट्रांसफर मनपसंद जगह पर हो सकता है। आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां बनी रहेंगी।

कन्या राशि- आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी अच्छी कम्पनी से जॉब का ऑफर आएगा। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मिलाने के योग बने हुए हैं। आज आपके व्यापार में अच्छा लाभ होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छी खबर लेकर आएगा। आज आपको ऑफिस में नई जिम्मेदारी मिलेगी, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। आपको अपने करियर से रिलेटेड अपनी योजनाओं को सार्थक करने का अवसर मिलेगा। पारिवारिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा।

वृश्चिक राशि- आज खुद पर आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। लेकिन आज आपको क्रोध करने से बचना होगा क्योंकि इससे आप के कुछ महत्वपूर्ण काम अटक सकते हैं कार्य क्षेत्र में विरोधी कुछ परेशानी खड़ी करने की कोशिश करेंगे। नौकरी में आप की स्थिति अच्छी रहेगी।

धनु राशि- आपके लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आपको आज लंबी ड्राइविंग करने का मौका मिलेगा। बिजनेस से रिलेटेड की यात्राएं होंगी। जिससे आपको अच्छा लाभ मिलेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन लकी रहेगा। आप अपने खुद के विश्वास के दम पर बहुत कुछ कर पाएंगे। लेकिन आलस से बचना होगा। इस दौरान कुछ तनाव रहेगा आप अपनी सेहत का ध्यान रखें। राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ राशि- आपके लिए आज का दिन खास रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में आपके दोस्तों का साथ मिलेगा। आज आप किसी सामाजिक गतिविधि में जोर शोर से भाग लेंगे और कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। आपकी नौकरी में पदोन्नति होने के योग बने हुये है। आप शांत और ठंडे दिमाग से कार्य करें, और धीरे-धीरे आगे बढ़ें। जीवनसाथी के साथ अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

मीन राशि- आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आपके व्यापार में अच्छे विस्तार के संकेत हैं। आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा। आप अपनी मेहनत और प्रोफेशनलिज्म की वजह से लोगों के बीच जाने जाएंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए कारगर साबित होगा। संतान की ओर से अच्छी खुशखबरी मिल सकती है आप अपनी सेहत का भी ध्यान रखेंसकती है आप अपनी सेहत का भी ध्यान रखें।

शब्द कौतुक

सू- दोकू क्र. 076

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.075 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

सुडुको

शब्द सामर्थ्य - 076

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8		9	■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17		■	■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 075 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

स्वामी अशोक भटनागर, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ब्यास मुनि द्विवेदी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि. पीएनबी बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं एलआईजी 93 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, धनसुली, नरदहा, रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित प्रबंध संपादक- आशीष मिश्रा (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन नं. 0771-4000600

राहुल गांधी ने अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों से किया संवाद, संघर्ष और संगठन मजबूती पर दिया जोर

(लोकमाया न्यूज)।

राजनांदगांव। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नई दिल्ली स्थित एआईसीसी मुख्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग इमरान प्रतापगढ़ी सहित विभाग के विभिन्न राज्यों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में राहुल गांधी ने अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों से संवाद करते हुए संगठन को मजबूत बनाने और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष को तेज करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अन्याय, भेदभाव और दमन के खिलाफ कांग्रेस पार्टी लगातार संघर्ष करती रहेगी तथा हर कार्यकर्ता के साथ मजबूती से खड़ी है। बैठक के दौरान राहुल गांधी ने

पदाधिकारियों के सुझाव और विचार भी सुने। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर संगठनात्मक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर चर्चा की। राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनकी भूमिका संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण है। बैठक के समापन पर राहुल गांधी ने उपस्थित पदाधिकारियों के साथ आत्मीय माहौल में तस्वीरें खिंचवाईं और भविष्य में भी कार्यकर्ताओं के बीच आने का भरोसा दिलाया। उनके इस व्यवहार को कार्यकर्ताओं ने प्रेरणादायी और सम्मानजनक बताया। मंच में राजस्थान-ओडिशा प्रदेश प्रभारी अब्दुल कलाम खान सहित 9 प्रदेश जिला अध्यक्ष को संबोधित किए। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के नेशनल कॉर्डिनेटर एवं राजस्थान-ओडिशा प्रभारी अब्दुल कलाम खान ने राहुल गांधी और इमरान प्रतापगढ़ी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को मिला यह स्नेह और सम्मान संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

संक्षिप्त समाचार

स्टेपनी टायर के अंदर छिपाकर गांजा तस्करी करने वाले 03 आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। दोपहर लगभग 01.00 बजे थाना जामुल पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि घासीदास नगर मैदान में खड़ी एक सफेद रंग की पिकअप वाहन क्रमांक CG 07 CZ 8442 में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखा गया है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर जांच की गई। वाहन में तीन व्यक्ति सवार मिले। पूछताछ एवं तलाशी के दौरान वाहन में रखे प्लास्टिक कैरेट के बीच दो स्टेपनी टायर पाए गए। संदेह होने पर ऑटो मिस्त्री की सहायता से टायरों को खुलवाकर जांच की गई, जिसमें एक टायर के अंदर 16 पैकेट एवं दूसरे टायर के अंदर 15 पैकेट कुल 15 किलो 500 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। आरोपियों द्वारा गांजा को छिपाकर परिवहन किया जा रहा था। आरोपियों के कब्जे से 15 किलो 500 ग्राम गांजा, बिक्री रकम 2,000 रुपये, पिकअप वाहन एवं 04 मोबाइल फोन जप्त किए गए। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 428/2026 धारा 21(ख), 27(क), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा दिनांक 20.06.2026 को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

श्रमिकों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य, 30 जून अंतिम तिथि

दुर्ग। श्रम विभाग द्वारा जिले के पंजीकृत श्रमिकों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य किया गया है। ई-केवाईसी की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। श्रम विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार ई-केवाईसी के माध्यम से श्रमिकों के डाटा का सत्यापन एवं अद्यतन किया जाएगा, जिससे उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से मिल सके। वर्तमान में आधार के अनुसार डाटा संशोधन का कार्य सीएससी केंद्रों के माध्यम से किया जा रहा है, जहां श्रमिक आधार कार्ड के अनुरूप सत्यापन करा सकते हैं। केवल ई-केवाईसी पूर्ण करने वाले पंजीकृत श्रमिकों को ही योजनाओं का लाभ मिलेगा। ई-केवाईसी नहीं कराने वाले श्रमिकों के नाम पोर्टल से हटाए जा सकते हैं तथा मृत अथवा अपात्र हितग्राहियों के नाम भी सूची से पृथक किए जाएंगे। श्रम विभाग ने सभी पंजीकृत श्रमिकों से अपील की है कि वे 30 जून 2026 तक अनिवार्य रूप से अपना ई-केवाईसी पूर्ण कर लें, ताकि उनका पंजीयन सक्रिय बना रहे और वे विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

गायत्री विद्यापीठ में उत्साहपूर्वक मनाया गया योग दिवस

राजनांदगांव। शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी जिले की प्रतिष्ठित शाला गायत्री विद्यापीठ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता दी। योग शिक्षिका श्रीमती भारती साहू के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं योग आधारित समूह प्रस्तुतियों का आकर्षक प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने योग के महत्व को दर्शाते हुए अनुशासन, एकाग्रता एवं स्वस्थ जीवन शैली का संदेश भी दिया। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों को दिलीप कुमार राम, सौरभ शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा योगाभ्यास करवाया गया तथा नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के सीबीएसई के प्राचार्य अंकित व्यास ने योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपने संदेश में कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है, जो तन-मन एवं आत्मा के संतुलन का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रतिदिन योग एवं प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और सकारात्मक मन ही सफलता की आधारशिला है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने योगा थीम पर आधारित शानदार योगा सर्कल बनाकर योग प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ, जागरूक एवं संस्कारित समाज के निर्माण के संकल्प के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकान्त चितलांग्या, उपाध्यक्ष राजेश जैन, सचिव गगन लड्ढा, सहसचिव निकुंज सिंघल, स्पोर्ट्स डायरेक्टर सागर चितलांग्या, संरक्षक नंदकिशोर सुरजन, श्रीमती सुषमा सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी हरीश गांधी, श्रीमती रूपाली गांधी, सह स्पोर्ट्स डायरेक्टर मनोज चितलांग्या, एकेडमिक डायरेक्टर अमित उत्तलवार, प्राचार्य अंकित व्यास, उप प्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, प्रशासक अनिल वाजपेयी, स्कूल मैनेजर तरणजीत सिंह टूटेजा एवं समस्त शिक्षक.शिक्षिकाओं द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

पूर्व पार्षदों ने निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

दुर्ग। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर धीरज लाल बाकलीवाल तथा नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले के नेतृत्व में कांग्रेस के पूर्व पार्षदों अब्दुल गनी, लिखन साहू, अमृत लोढ़ा, संजय सिंह, अनिल देवांगन आदि ने नगर निगम के आयुक्त से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें दादा-दादी, नाना-नानी पार्क में संधारण कार्य कराकर बारिश पूर्व वहां जमीन के समतलीकरण करने, पेयजल सुविधा सुलभ कराने व प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कर अन्य संधारण कार्य कराने की मांग की गई है। इस पर निगम आयुक्त ने त्वरित पहल करने का आश्वासन दिया और कहा कि 21 जून योगा दिवस के पहले पार्क में जल भराव की समस्या दूर कर दी जाएगी और अन्य संधारण कार्य भी जल्द कराए जाएंगे। पार्क के पास स्थित एक्यूप्रेशर वेवरेज को भी दुरुस्त करा दिया जाएगा।

वाद-मुक्त ग्रामीण भारत की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

ग्राम घुघसीडीह में सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता एवं संवाद बैठक आयोजित

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA), नई दिल्ली द्वारा जारी "Community Mediation Towards a Litigation-Free Rural India" Standard Operating Procedure (SOP), 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के क्रम में ग्राम घुघसीडीह में सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जागरूकता एवं संवाद बैठक का आयोजन ग्राम पंचायत भवन में किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर तथा वरिष्ठ न्यायालय प्रबंधक द्वारा ग्राम घुघसीडीह का भ्रमण किया गया तथा ग्रामवासियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ विस्तृत संवाद स्थापित किया गया। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों को सामुदायिक मध्यस्थता की अवधारणा, उसके उद्देश्यों एवं लाभों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि सामुदायिक मध्यस्थता ग्रामीण क्षेत्रों में

उत्पन्न होने वाले छोटे-छोटे सामाजिक, पारिवारिक, पड़ोसी, भूमि, रास्ता, पानी, घरेलू एवं अन्य स्थानीय विवादों को न्यायालय में वाद प्रस्तुत किए जाने से पूर्व ही आपसी सहमति एवं संवाद के माध्यम से सुलझाने की एक प्रभावी व्यवस्था है। इससे न केवल समय एवं धन की बचत होती है, बल्कि सामाजिक संबंध भी मधुर बने रहते हैं।

बैठक के दौरान ग्रामीणों को यह भी अवगत कराया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा जिले के पांच ग्रामों घुघसीडीह, ननकट्टी, अरसनारा, निकुम एवं कुथरेल का चयन सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम के लिए किया गया है। इन ग्रामों में स्थानीय स्तर पर विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, संवाद सत्र तथा मध्यस्थता संबंधी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत, दुर्ग की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सामुदायिक मध्यस्थता आपसी संवाद एवं सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देती है। यह व्यवस्था ग्राम स्तर पर शांति, सौहार्द एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे छोटे-छोटे विवादों को न्यायालय तक ले जाने के बजाय आपसी चर्चा एवं मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत एवं अन्य विधिक सेवा योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। साथ ही बताया गया कि सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विवादों की संख्या को कम करना तथा न्याय तक आसान एवं त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों, पैरालीगल वालंटियर्स, महिलाओं, युवाओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने सहभागिता की तथा सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम के प्रति उत्साह व्यक्त किया। ग्रामीणों ने इस पहल को ग्राम स्तर पर विवादों के समाधान के लिए उपयोगी एवं सकारात्मक कदम बताते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आगामी दिनों में चयनित अन्य ग्रामों में भी इसी प्रकार के जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे वाद-मुक्त ग्रामीण भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति सुनिश्चित की जा सके। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में न्याय तक सरल पहुंच, सामाजिक समरसता एवं विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

बेहतर जीवन शैली के लिए योग

(लोकमाया न्यूज)।

रिसाली। बेहतर जीवन शैली के लिए योग आवश्यक है। योग शरीर को निरोग बनाने में सहायक है। नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा आयोजित बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग लंगर के योगाचार्य के मार्ग दर्शन में लगभग 250 लोगों ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम आरंभ करने से पहले महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एमआईसी सनीर साहू ने शुभकामनाएं देकर कार्यक्रम की शुरुवात की। बाद में योग लंगर मैदान में अशोक महेश्वरी के मार्ग दर्शन में योगाभ्यास कराया गया। इस अवसर पर पूजा ललित चंद्राकर, पार्षद धर्मेंद्र भगत, डॉ. सीमा साहू, माया यादव, ममता सिन्हा, रमा साहू, सुनंदा चंद्राकर, सविता ढवस, मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू समेत बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। आभार प्रदर्शन निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने की।

योग लंगर में नियमित अभ्यास करने वाले बच्चों ने योगा नृत्य किया। लगभग 15 मिनट के नृत्य में बच्चो ने संगीत में विभिन्न आसन दिखाए। प्रस्तुति के बाद अतिथियों ने बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने योग नियमित करने के लिए स्थल में मौजूद लोगों को शपथ दिलाई।

केंद्रीय विद्यालय, सी.आई.एस.एफ. भिलाई में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। केंद्रीय विद्यालय, सी.आई.एस.एफ. भिलाई में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन अत्यंत उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग है। जिसका उद्देश्य योग के माध्यम से प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों को स्वस्थ, सक्रिय एवं संतुलित जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के क्रीड़ा शिक्षक श्री विनोद कुमार टैबुन्ना एवं योग शिक्षिका सुश्री रितु कुंभकार के कुशल मार्गदर्शन में कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कराया गया। इसमें गर्दन संचालन, कंधा संचालन, घुटना संचालन, ताड़ासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, बालासन, मकरासन, भुजंगासन, सेतुबंधासन, पवनमुक्तासन, शवासन, भ्रामरी प्राणायाम, शीतली

प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम, ध्यान एवं शांति पाठ का अभ्यास कराया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती भुबनेश्वरी ने अपने प्रेरणादायी संदेश में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच एवं मानसिक दृढ़ता का विकास करता है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना समय की आवश्यकता है। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालें तो अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से बचते हुए स्वस्थ एवं सुखी जीवन व्यतीत कर सकते हैं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री अनिल कुमार शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए योग को जीवन का नियमित हिस्सा बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से

भिलाई में 'वेस्ट से बेस्ट' की मिसालः महिला समूह कबाड़ से बना रही आकर्षक सजावटी सामान

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड क्रमांक 42 गौतम नगर खुर्सीपार स्थित एस.एल.आर.एम. (सॉलिड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट) सेंटर में मणीकंचन महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं स्वच्छता और आत्मनिर्भरता की अनूठी मिसाल पेश कर रही हैं। यहां वार्डों से प्रतिदिन एकत्र होने वाले कचरे और कबाड़ सामग्री को उपयोगी एवं आकर्षक सजावटी वस्तुओं में बदलकर 'वेस्ट से बेस्ट' की अवधारणा को साकार किया जा रहा है। खुर्सीपार स्थित एस.एल.आर.एम. सेंटर में पहुंचने वाले सूखे कचरे का पृथक्करण कर प्लास्टिक, टायर, बोतल, डिब्बे एवं अन्य अनुपयोगी सामग्रियों को अलग किया जाता है। इसके बाद महिला समूह की सदस्य अपनी रचनात्मकता का उपयोग करते हुए इन कबाड़ वस्तुओं से सुंदर गमले,

सजावटी शोपीस, गार्डन डेकोरेशन सामग्री, हैंगिंग आइटम, टेबल डेकोरेशन और घरों के प्रवेश द्वार को आकर्षक बनाने वाले विभिन्न उत्पाद तैयार कर रही हैं। महिलाओं द्वारा तैयार की गई सामग्री न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि लोगों को कचरे के पुनः उपयोग के प्रति भी जागरूक कर रही है। इन उत्पादों का उपयोग घरों, कार्यालयों और उद्यानों की सुंदरता बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय का कहना है कि इस पहल से एक ओर कचरे का बेहतर प्रबंधन हो रहा है, वहीं दूसरी ओर महिला समूहों को रोजगार एवं आय का अतिरिक्त स्रोत भी प्राप्त हो रहा है। यह प्रयास स्वच्छ भारत मिशन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। महिला समूह की इस अभिनव पहल की स्थानीय नागरिकों द्वारा भी सराहना की जा रही है। लोगों का मानना है कि ऐसे प्रयास न केवल शहर को स्वच्छ बनाने में मदद करते हैं, बल्कि समाज में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का कार्य भी करते हैं।

भिलाई चेम्बर का प्रतिनिधिमंडल कश्मीर चेम्बर ऑफ कॉमर्स से मिला, व्यापार एवं सांस्कृतिक सहयोग पर हुई सार्थक चर्चा

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का प्रतिनिधिमंडल अपनी कश्मीर यात्रा के दौरान कश्मीर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों से मिला। इस अवसर पर कश्मीर चेम्बर की ओर से अध्यक्ष अजय भसीन, महासचिव गार्गी शंकर मिश्रा सहित भिलाई चेम्बर के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया गया।

दोनों चेम्बरों के मध्य आयोजित बैठक में महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, व्यापार विकास, उद्योगों के विस्तार तथा पर्यटन को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि देश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच आपसी सहयोग और अनुभवों के आदान-प्रदान से व्यापार और उद्योग के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने तथा उनके लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराने की दिशा में भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा कश्मीर और छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक-दूसरे से जोड़ने तथा पर्यटन क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई। दोनों पक्षों ने उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर दोनों चेम्बरों के पदाधिकारियों ने भविष्य में भी आपसी सहयोग, संवाद और सहभागिता को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया तथा इस मुलाकात को राष्ट्रीय एकता और आर्थिक समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कश्मीर चेम्बर के उपाध्यक्ष जावेद बक्शी,उमर नजीर व अनेक पदाधिकारीयो ने इस बैठक को छत्तीसगढ़ व कश्मीर के संबंध के लिए मील का पत्थर माना है।

लघु उद्योग के अध्यक्ष संजय मिश्रा जी व भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अक्षय गुप्ता,मनोहर कृष्णानी,सुनील मिश्रा,विनय सिंह,अतुल महाजन, नितिन ,राहुल खूबचंदानी, चित्रा राव,प्रेम रतन गहलोत व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना शंकर सचदेव ने दी।

सर्व समाज कल्याण समिति ने किया सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई । 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज बीरा जी के अंगना, कोहका भिलाई में सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई एवं पतंजलि योग साधक समिति, कान्हा पार्क कोहका के तत्वावधान में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में सम्मिलित होकर योग साधकों के साथ योगाभ्यास किया।

इस अवसर पर योग के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली एवं नियमित योगाभ्यास के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मबल एवं सकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर जीवन को संतुलित और सुखमय बनाता है। सभी योग साधकों एवं आयोजकों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं सफल आयोजन हेतु बधाई।

ये भी गज़ब है ! ऐसा को-वर्किंग स्पेस .,जहां बनाया ही नहीं..टॉयलेट

निगम ने बनाया पहला को-वर्किंग स्पेस, आज बंद पड़ा है। शॉप के संचालन से पीछे हट रहे व्यवसाई। सवा 3 करोड़ हुए खर्च, लेकिन सीढेले भर की नहीं हुई ,कमाई भी।

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी (सुनील शर्मा)। को वर्किंग स्पेस .. तो बना दिया ., करोड़ों रूपए खर्च किए । लेकिन सबसे जरूरी टॉयलेट ही नहीं बनाया । जिम्मेदार अफसरों की यह गलती आज नगर निगम पर भारी पड़ रही। करोड़ों का अहम प्रोजेक्ट सफेद हाथी बनकर रह गया है। व्यवसाई यहां शॉप संचालन से पीछे हट रहे ।दरअसल बालक चौक कॉम्प्लेक्स को डिस्मेंटल कर बेसमेंट समेत 4 मंजिला कॉम्प्लेक्स निगम ने बनाया है। करीब सवा 3 करोड़ की लागत यह बना है। कॉम्प्लेक्स को पूर्ण होने में 7 साल लग गए ।निगम को उम्मीद थी कि कॉम्प्लेक्स से (राजस्व)कमाई भी बढ़ेगी ।पर ऐसा हो न सका।

गौरतलब है कि इस बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स में तमाम बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। करोड़ों की इस व्यवसायिक बिल्डिंग में एक ढंग का अदद शौचालय तक नहीं है। साफ़ सफ़ाई व पार्किंग का भगवान ही मालिक है । इन्हीं असुविधाओं के चलते व्यवसायियों ने यहां दुकानें लेने व खोलने में रुचि ही नहीं दिखाई। निगम ने शहर में एक नया प्रयोग किया था। सबसे ऊपरी मंजिल (तीसरे तल) की 19 दुकानों को आपस में तोड़कर एक बड़ा हॉल बनाया । 35 लाख की अतिरिक्त लागत से को-वर्किंग स्पेस तैयार किया ।विडंबना देखिए कि उद्घाटन के बाद उप्र की एक एजेंसी भी यहां आई ..लेकिन बदहाली और असुविधाओं ने 6 दिन में बोरिया-बिस्तर समेटने पर मजबूर कर दिया। निगम को 1रुपए का फायदा नहीं हुआं ।लोगों का कहना है, निगम की प्लानिंग ही ठीक नहीं है। बस लजानता की पैसों की बबार्द की गई है। को-वर्किंग स्पेस पर ताला लटक रहा है।

ख़ाली हैं ..दुकानें

कॉम्प्लेक्स में भू-तल पर 15 दुकानें हैं। प्रथम और द्वितीय तल पर 19-19 दुकानें हैं। तीसरे तल की 19 दुकानों को तोड़कर को-वर्किंग स्पेस में बदला गया है ।कुल 72 दुकानें बनाई गई थीं। इनमें से 53 दुकानों में से 33 दुकानें(पूर्व की)संचालित हैं, जबकि बची हुई 20 दुकानें अब भी पूरी तरह खाली पड़ी हैं। बड़ी बात यह है कि तोड़ी गई 19 दुकानें औसतन 11 लाख की बोली और 4 लाख की रजिस्ट्री/प्रीमियम पर बिकतीं, तो कम से कम 1.50 करोड़ से अधिक का राजस्व मिलता, नगर निज़ाम को।

हाईटेक स्पेस ,लटक रहा ताला

उल्लेखनीय रहे कि बड़े शहरों की तर्ज पर को-वर्किंग स्पेस (साझा कार्यालय) का स्कोप देखकर निगम ने 35 लाख का दांव खेला था। हॉट डेस्क, केबिन, हाई-स्पीड इंटरनेट, मीटिंग रूम और कैफेटेरिया जैसी सुविधाएं जुटाई गईं। बैंकिंग सेक्टर का बीपीओ शुरू किया गया। विडंबना देखिए, यह ताम-झाम सिर्फ सप्ताहभर ही चल पाया।

डिज़ाइनिंग में ही .. खामियां

जानकार बताते हैं,इस कॉम्प्लेक्स की सबसे बड़ी खामी इसके डिजाइनिंग में है। 3.20 करोड़ के इस भारी-भरकम प्रोजेक्ट का जब नक्शा पास किया , तब जिम्मेदार अफसर इसमें शौचालय और पानी जैसी जरूरी बुनियादी सुविधाओं के लिए पर्याप्त स्थल रखना ही भूल गए। बाकी की कसर रखरखाव में उदासीनता ने पूरी कर दी। कॉम्प्लेक्स की लिफ्ट बंद है। पार्किंग एरिया में कचरे के ढेर औरआसपास गंदगी का आलम है। मौजदा दुकानदार भी यहीं कचरा फेंक रहे हैं।

बस ..टेंडर ही निकाल रहे

बालक चौक कॉम्प्लेक्स में बंद पड़े को-वर्किंग स्पेस को दोबारा चालू करने का प्रयास किया जा रहा है। अगर कोई इच्छुक एजेंसी आगे आती है, तो उसे नियमानुसार सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कॉम्प्लेक्स की जो दुकानें अभी खाली और बंद हैं, उनकी नीलामी के लिए बार-बार निविदा निकाली जा रही है, ताकि दुकानें जल्द खुल सकें ।निगम को राजस्व की आय हो सके।

संक्षिप्त समाचार

तीन साल बाद भी नहीं बना तटबंध

धमतरी। नगरीय निकाय धमतरी की स्थापना को 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में बनाया गया सेंचुरी उद्यान आज उपेक्षित हो गया है। नगर निगम दफ्तर से महज 250 मीटर की दूरी पर यह गार्डन है। तीन साल पहले बरसात के समय तालाब का तटबंध टूट गया था, जिसे अब तक ठीक नहीं किया गया। मरम्मत के अभाव में यह तटबंध धीरे-धीरे धंस रहा है इस साल बारिश में इसके और क्षतिग्रस्त होने की संभावना है। वार्डवासियों की मांग के बावजूद निगम के अधिकारी इसकी मरम्मत को लेकर गंभीर नहीं हैं। निगम के जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से भी सेंचुरी गार्डन बदहाल है।

वनों में पेड़ कटाई की कराई गई जांच, दोषियों पर होगी कार्रवाई

बलौदाबाजार। वन मण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील के निर्देशानुसार वन परिक्षेत्र अधिकारी बलौदाबाजार सुश्री एकता कर एवं कर्मचारियों, वन प्रबंधन समिति के सदस्यों, ग्राम मुडियाडीही के सरपंच, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में संबंधित क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 25 नग सागौन वृक्षों के ठूंठ पाए गए, जिनमें से 06 नग ठूंठ नवीन रूप से कटे हुए पाए गए। जांच उपरांत प्रकरण में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 15649/03, दिनांक 17/06/2026 को पंजीबद्ध किया गया है।

किसानों के खाते में, आए 19.13 करोड़, खेती में होगी राहत

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से किसान सम्मान राशि जारी की। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को 23वीं किस्त दी गई। प्रदेशभर के कुल 24 लाख 52 हजार 477 किसानों के खातों में कुल 490.54 करोड़ रु जारी हुए हैं। धमतरी जिले के 95641 किसानों के खातों में 19.13 करोड़ रु आए। दोपहर 12 बजे के बाद खातों में राशि आनी शुरू हुई। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण संबलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में किया गया ।प्रधानमंत्री का संबोधन भी किसानों ने सुना।

गौरतलब है कि जिले में योजना के तहत पंजीयन कराने वाले कई किसानों का ई-केवाईसी पेंडिंग है। जिले में ऐसे 282 किसान हैं। इनका ई-केवाईसी पूरा नहीं हुआ है। इन किसानों को सम्मान निधि की राशि नहीं मिली है। अब किसानों को सम्मान निधि की राशि पाने के लिए ई-केवाईसी कराना होगा। इन्हें अगली किस्त में राशि जारी की जाएगी। जिले में कुल 1.05 लाख किसानों ने सम्मान निधि योजना के तहत पंजीयन कराया है। इसमें से 1.04 लाख किसानों का ई-केवाईसी पूरा हो गया है।

जैविक खेती को बढ़ावा

कार्यक्रम में जैविक एवं प्राकृतिक खेती तथा उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने वाले प्रगतिशील किसानों का सम्मान किया गया। अतिथियों ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के उपयोग को कम कर प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर अग्रसर होना समय की आवश्यकता है। इससे पर्यावरण, मिट्टी की उर्वरता एवं मानव स्वास्थ्य सुरक्षित रह सकेगा ।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों की समृद्धि का आधार बन रही है। योजना से प्राप्त राशि से किसान समय पर खाद एवं बीज की व्यवस्था कर पा रहे हैं।

सम्मान निधि पाने ये हैं पात्रता

- किसान भारत का स्थायी निवासी होना चाहिए ।
- किसान परिवार के पास अपनी कृषि योग्य भूमि हो।
- किसान का अपना बैंक खाता आधार नंबर से जुड़ा हो ।
- सभी पंजीकृत किसानों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है ।

मुरुम का अवैध उत्खनन शिकायत पर कार्रवाई

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी । जिले में अवैध मुरूम खनन के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी मशीन जब्त की है। शिकायत मिलने के बाद खनिज विभाग की टीम ने जांच की, जिसमें ग्राम फरसिया में अवैध उत्खनन की पुष्टि हुई ।खनिज अमला धमतरी ने नगरी तहसील के ग्राम सांकरा क्षेत्र का निरीक्षण किया। जांच के दौरान ग्राम सांकरा में किसी प्रकार का अवैध मुरूम उत्खनन नहीं पाया गया। हालांकि, समीपस्थ ग्राम फरसिया में अवैध मुरूम खनन की गतिविधि संचालित होती मिली।

फरसिया में लंबे समय से अवैध रूप से मुरूम खनन किया जा रहा था। इस संबंध में कई बार शिकायतें भी मिली थींविभाग का कहना है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर नियंत्रण के लिए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है।

बिना वैध अनुमति खनिज उत्खनन, परिवहन या भंडारण नहीं करने की अपील की है ।खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आमजन से भी अवैध खनन संबंधी गतिविधियों की जानकारी तत्काल विभाग को देने की अपील की है ।खनन में लगी जेसीबी जब्त

निरीक्षण के दौरान अवैध उत्खनन में उपयोग की जा रही एक टायर माउंटेड जेसीबी मशीन को मौके से जब्त किया गया। बताया जा रहा है कि फरसिया क्षेत्र में लंबे समय से अवैध मुरूम खनन की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई की गई।

महासमुंद में मनाया गया 12वां विश्व योग दिवस

योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाकर स्वस्थ समाज का निर्माण करें - प्रभारी मंत्री बघेल

लोकमाया न्यूज ।

महासमुंद। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं प्रेरणा से आयोजित 12वें विश्व योग दिवस के अवसर पर आज महासमुंद शहर स्थित इनडोर स्टेडियम (संजय कानन के सामने) में जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर, पूर्व राज्य मंत्री श्री पूनम चंद्राकर,पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, स्काउट गाइड संघ के जिलाध्यक्ष श्री येतराम साहू, राज्य आयुक्त श्री इन्द्रजीत सिंह खालसा, राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया, रेडक्रॉस समिति के अध्यक्ष श्री संदीप दीवान, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री देवीचंद राठी, जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सामूहिक योगाभ्यास के दौरान योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योग आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इसमें ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, पवनमुक्तासन, अर्धचक्रासन, शवासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं ध्यान सहित अनेक योग क्रियाएं कराई गईं। उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि श्री दयाल दास बघेल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति और ऋषि परंपरा की अमूल्य देन है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को आज पूरी दुनिया में पहचान मिली है। योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को शांति और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। प्रत्येक व्यक्ति को योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए और नियमित रूप से इसका अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। श्री बघेल ने विभिन्न आसनों के माध्यम से योगाभ्यास किया तथा उपस्थित जनों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

आयोग ने बीमा कंपनी से दिलाई दुर्घटना बीमा क्षतिपूर्ति राशि

बलौदाबाजार,(लोकमाया)। बीमा कंपनी द्वारा परिवादी को दुर्घटना बीमा क्षतिपूर्ति राशि प्रदाय नहीं किये जाने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार द्वारा विरोधी पक्षकारगण को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए परिवादी को दुर्घटना बीमा क्षतिपूर्ति राशि 1600000एवं उपभोक्ता को मानसिक शारीरिक क्षतिपूर्ति हेतु राशि 50000 तथा वाद-व्यय हेतु 10000 रूपये प्रदाय किये जाने का आदेश पारित किया गया है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार बलौदाबाजार निवासी मेसर्स रमन साईकिल के प्रोपराइटर दिलीप भट्टर ने अपने व्यवसायिक स्थल का दुर्घटना पालिसी न्यू इंडिया भारत सुरक्षा उद्यम सुरक्षा पालिसी लिया था जिसका प्रीमियम राशि का भुगतान विरोधी पक्षकारगण क्र. 3 न्यू इंडिया इन्शयोरेंस कंपनी लिमिटेड को चेक के माध्यम से किया था। बीमा अवधि के दौरान ही दिनांक 18नवम्बर 2021 को परिवादी के व्यवसायिक स्थल पर आगजनी की दुर्घटना हुई।

आयोग के अध्यक्ष रंजना दत्ता एवं सदस्यगण हरजीत सिंह धांवला व शारदा सोनी ने पेश दस्तावेजों एवं संबंधित नियम आदि का सूक्ष्मता से अध्ययन कर पाया कि परिवादी द्वारा दुर्घटना बीमा क्षतिपूर्ति हेतु दावा 20 नवम्बर 2021 को विरोधी पक्षकारगण बीमा कंपनी को प्रस्तुत किया गया जांच उपरांत प्रीमियम प्राप्त नहीं होने के आधार पर पालिसी निरस्त करने की सूचना दिनांक 24 नवम्बर 2021 को परिवादी को दिया गया ।घटना एवं दावा प्रस्तुति दिनांक को बीमा कंपनी द्वारा जारी पालिसी वैध एवं प्रभावशाली थी।

बाल श्रम के लिए ले जा रहे 6 नाबालिग बच्चों को कराया मुक्त

लोकमाया न्यूज ।

- राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा की तत्परता से कार्रवाई
- पिकअप वाहन चालक एवं बैंड पार्टी के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश

महासमुंद। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने महासमुंद जिले के प्रवास के दौरान तुमगांव थाना क्षेत्र में बाल श्रम का मामला पकड़ा। सड़क पर एक पिकअप वाहन में बैंड पार्टी द्वारा 6 नाबालिग लड़कों को श्रम के लिए ले जाते देख उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप किया।

मौके पर अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा आधे फोन घंटे उपस्थित रही । डॉ. शर्मा ने मौके से ही एसजेपीयू (स्पेशल जूविनाइल पुलिस ऑफिसर), डीपीओ एवं डीसीपीओ की टीम को निर्देशित कर सभी 6 बच्चों को रेस्क्यू कराया। बच्चों को सुरक्षित तुमगांव थाना भिजवाया गया। साथ ही बाल श्रम में प्रयुक्त वाहन क्रमांक सीजी 6जीएम 4266 पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए ।इस दौरान डॉ. वर्णिका शर्मा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि बाल श्रम जैसी लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चाइल्डलाइन की टीम को लगातार निरीक्षण एवं निगरानी रखने के निर्देश दिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। आयोग निश्चित ही बाल अधिकार संरक्षण नियम 2005 के तहत धारा 13 एवं सहपठित धारा 14 के तहत विषय में संज्ञान लेगा।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक, रा.नि.मं. चंदखुरी, तहसील मंदिर हसौद, जिला रायपुर

// आम सूचना //

जारी दिनांक 15/06/2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक "शीतल डागा पति स्व. मनीष डागा निवासी रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम सेमरिया... प.ह.न. 01 राजस्व निरीक्षक मंडल चंदखुरी तहसील मंदिर हसौद स्थित भूमि खसरा नं हे. 895/1 रकबा क्रमशः 0.11 हे. भूमि का बटांकन / सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार मंदिर हसौद के ज्ञापन क्रमांक/ / वाचक/ तह. / 2026 मंदिर हसौद दिनांक 04/06/2026 के परिपालन में दिनांक 23/06/2026 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः आवेदक एवं नजदीक के कृषकगण अपने दस्तावेज सहित निर्धारित दिनांक को स्थल पर उपस्थित होवें। उक्त बटांकन/ सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो वे उक्त बटांकन/ सीमांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नं 01 के नरदहा.... स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके उपरांत किसी दावा/ आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. चंदखुरी,
तहसील मंदिर हसौद

झिरिया में हाथियों की मौज मस्ती, धमतरी वन विभाग का जल संरक्षण मॉडल बना मिसाल

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी। सुपर एल-नीनो जिसे गॉडजिला एल-नीनो भी कहा जा रहा है, उसका असर पूरे भारत में दिखाई दे रहा है. सुपर एल-नीनो से होने वाले मुश्किलों को कम करने की कोशिश में धमतरी वन विभाग भी जुटा है. इसी कड़ी में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व ने वन्यजीवों और स्थानीय समुदायों की जल सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक अनूठी मिसाल पेश की है.

सुपर एल-नीनो के बीच हाथियों की मस्ती

रिजर्व के कुल्हाड़ीघाट परिक्षेत्र में लगाए गए ट्रैप कैमरे में हाथियों का एक झुंड अपने नन्हे शावकों के साथ करीब 3 हजार फीट ऊंचाई पर स्थित एक झिरिया में पानी पीते और आनंदपूर्वक स्नान करते हुए नजर आया. ये शानदार तस्वीरें साबित करती हैं कि छोटे-छोटे संरक्षण प्रयास भी भीषण गर्मी और जल संकट के दौर में वन्यजीवों के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकते हैं.

3 हजार फीट ऊंचाई पर झिरिया

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व ने जंगलों में जल संकट से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर जल संवर्धन अभियान चलाया है. परंपरागत जल स्रोत झिरिया के माध्यम से भूमिगत जल प्रवाह को संरक्षित करते हुए अब तक 800 से अधिक झिरियाओं का निर्माण किया गया है. वहीं सालभर पानी उपलब्ध कराने के लिए 34 सौर ऊर्जा संचालित पम्प भी लगाए गए हैं.

एक्सपर्ट की राय

विशेषज्ञों के अनुसार सुपर एल-नीनो की स्थिति बनने पर अत्यधिक गर्मी, कम वर्षा और लंबे सूखे जैसी परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं. ऐसे समय में जंगलों में पानी और चारे की कमी होने पर वन्यजीवों का रुख गांवों की ओर बढ़ जाता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका बढ़ जाती है. इसे देखते हुए टाइगर रिजर्व ने पहले से ही व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं. रिजर्व प्रबंधन द्वारा जल स्रोतों की निगरानी, हाथियों की आवाजाही पर नजर रखी जा रही है.

वन्य जीवों का है यहां प्राकृतिक आशियाना

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व केवल हाथी, बाघ, तेंदुआ और दुर्लभ वन भैंस जैसे वन्यजीवों का ही आश्रय नहीं है, बल्कि इसके भीतर और आसपास 100 से अधिक गांव भी बसे हुए हैं. ऐसे में वन्यजीव संरक्षण के साथ स्थानीय समुदायों की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है. जलवायु परिवर्तन और संभावित सुपर एल-नीनो जैसी परिस्थितियों को देखते हुए रिजर्व क्षेत्र में जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है. वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास में ही पर्याप्त पानी उपलब्ध हो, इसके लिए 800 से अधिक झिरियाओं का निर्माण और 34 सौर ऊर्जा संचालित पम्पों का संचालन किया जा रहा है

-वरुण जैन, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक

न्यायालय, तहसीलदार (नजूल) सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.)

रा.प्र.क्र.
ग्राम/नगर-सक्ती, तहसील-सक्ती

// ईश्तहार //

सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री ऋषिकुमार पिता बजरंगसिंह राजपुत निवासी सक्ती जिला सक्ती (छ.ग.) का है। नगर नजूल सक्ती के नजूल शीट कमांक 21-डी के भू-खण्ड कमांक 92 क्षेत्रफल 320 वर्ग मीटर गणेश महेश हरिराम पिता घांसीराम गुरवारी बेवा घांसीराम के नाम पर दर्ज है। उक्त भू-खण्ड में से आवेदक एवं आवेदक का भाई हेमत सिंह द्वारा 643 वर्ग फिट को अनवेदक गण से पंजीकृत विकय पत्र द्वारा कय किया गया है। केता हेमंतसिंह की मृत्यु दिनांक 05.02.2003 को मृत्यु हो गया है। आवेदक कय सुदा भूमिं को अपने नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज करने हेतु पंजीकृत विकय पत्र की छाया प्रति, नजूल अभिलेख की प्रति के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसका छ.ग. भू-राजस्व संहिता की धारा 109, 110 के तहत आवेदक गण का नाम दर्ज करने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

आवेदित भूमिं नजूल शीट कमांक 21-डी के भू-खण्ड कमांक 92 क्षेत्रफल 320 वर्ग मीटर में से 643 वर्ग फिट पर आवेदक ऋषिकुमार का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है। इस विषय में जिस किसी को दावा आपत्ति हो तो वह निर्धारित पेशी दिनांक 25/05/2026 तक स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से दावा / आपत्ति पत्र प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि पश्चात् पेश दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

शीट क्र.	भू-खण्ड क्रमांक	क्षेत्रफल
21-डी	92 में से	643 वर्ग फिट

तहसीलदार(नजूल)
जिला-सक्ती (छ.ग.)

संक्षिप्त समाचार

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू, 1 अगस्त से नए आवेदन स्वीकार

बीजापुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, जिला बीजापुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की सूचना जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार छात्रवृत्ति हेतु नवीनीकरण आवेदन 20 जून 2026 से तथा नवीन आवेदन 1 अगस्त 2026 से प्रारंभ होंगे। इच्छुक विद्यार्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन, परीक्षण, स्वीकृति एवं छात्रवृत्ति वितरण की समय-सीमा भी निर्धारित की गई है। विभाग ने बताया कि छात्रवृत्ति का भुगतान पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से सीधे विद्यार्थियों के आधार सीडेड बैंक खातों में किया जाएगा। इसलिए आवेदन करते समय सक्रिय एवं आधार से जुड़े बैंक खाते की जानकारी दर्ज करना अनिवार्य होगा।

बीजापुर में 510 पदों के लिए प्लेसमेंट कैंप, 22 से 24 जून तक होगा आयोजन

बीजापुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, बीजापुर द्वारा निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 22 से 24 जून 2026 तक प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप Kairos Security Health and Composite Service Pvt- Ltd- के माध्यम से आयोजित होगा, जिसमें कुल 510 पदों पर भर्ती की जाएगी। यह सूचना जिला रोजगार कार्यालय द्वारा जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार, सिक्योरिटी गार्ड के 470 पद तथा सिक्योरिटी सुपरवाइजर के 40 पदों पर भर्ती की जाएगी। सिक्योरिटी गार्ड पद के लिए न्यूनतम योग्यता 10वीं पास निर्धारित की गई है, जबकि सिक्योरिटी सुपरवाइजर पद हेतु स्नातक होना आवश्यक है। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 18 हजार से 25 हजार रुपये तक वेतन मिलेगा। प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 22 जून को जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, कलेक्ट्रेट परिसर बीजापुर, 23 जून को आईटीआई भैरमगढ़ तथा 24 जून को आईटीआई भोपालपटनम में किया जाएगा। कैंप का समय सुबह 11 बजे से शाम 3:30 बजे तक निर्धारित है। इच्छुक अभ्यर्थियों को शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो सहित मूल दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होगा। आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन है, जिसके लिए अभ्यर्थी ई-रोजगार पोर्टल पर पंजीयन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को कंपनी द्वारा ईपीएफ, आवास एवं चिकित्सा सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

विशेष पंजीकरण शिविरों में उमड़ा जनउत्साह, योजनाओं का लाभ लेने बड़ी संख्या में पहुंचे हितग्राही

बीजापुर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संचालित विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान के तहत बीजापुर जिले में आयोजित विशेष पंजीकरण शिविरों में आमजन का उत्साह देखने को मिल रहा है। 18 जून से 20 जून 2026 तक जिले के चारों अनुभाग स्तरों पर आयोजित इन तीन दिवसीय शिविरों के दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पंजीयन कराते नजर आए। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से जोड़ना, पंजीयन संबंधी त्रुटियों का निराकरण करना तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। अनुभाग बीजापुर अंतर्गत तहसील कार्यालय में आयोजित शिविर में एसडीएम श्री जागेश्वर कौशल ने शिविर के संचालन एवं समन्वय की जिम्मेदारी संभालते हुए उपस्थित नागरिकों को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डेयरी उद्यमिता योजना से बदली किसान की तकदीर, दो गायों से हर माह हो रही 12 हजार रुपये की अतिरिक्त आय

बीजापुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। पशुधन विकास विभाग द्वारा संचालित राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना भी ऐसी ही एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसने जिले के किसानों और पशुपालकों को स्वरोजगार एवं अतिरिक्त आय का अवसर प्रदान किया है। इस योजना का लाभ लेकर ग्राम गोखूर, तहसील भोपालपटनम, जिला बीजापुर निवासी किसान श्री विनोद मड़े ने अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। विनोद मड़े, पिता बोड़काराम मड़े, मुख्य रूप से कृषि कार्य से जुड़े हुए हैं। खेती-किसानी से होने वाली आय के साथ अतिरिक्त आमदनी के स्रोत की तलाश में उन्होंने पशुधन विकास विभाग की राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना के बारे में जानकारी प्राप्त की। योजना से प्रेरित होकर उन्होंने डेयरी व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। योजना के तहत उन्होंने दो दुधारू गायों की इकाई स्थापित की, जिसकी कुल लागत 1 लाख 40 हजार रुपये थी।

बस्तर में मानसून पूर्व बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारी पूरी, 112 पर भी दे सूचना

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। जिले में मानसून के दौरान संभावित अतिवृष्टि एवं बाढ़ आपदा से राहत और बचाव सुनिश्चित करने के लिए बस्तर जिला प्रशासन द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई है। कलेक्टर आकाश छिकारा की अध्यक्षता में आज शनिवार को आयोजित बैठक में बाढ़ आपदा प्रबंधन योजना 2026-27 को अंतिम रूप दिया गया है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में कम से कम समय में त्वरित राहत पहुंचाई जा सके। आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला कार्यालय जगदलपुर में जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो चैबीसों घंटे चालू रहेगा । आम नागरिक किसी भी आपात स्थिति में दूरभाष नंबर 07782-223122 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपातकालीन पुलिस सहायता केंद्र के नंबर 112 पर भी तत्काल सूचना दी जा सकती है। समन्वय को बेहतर बनाने के लिए जिला स्तर पर राजस्व शाखा, अनुविभागीय अधिकारियों और सभी तहसीलदारों के मोबाइल नंबर भी सार्वजनिक किए गए हैं, ताकि हर स्तर पर त्वरित संदेशों का आदान-प्रदान संभव हो सके।

बाढ़ नियंत्रण समिति ने जिले से होकर गुजरने वाली इंद्रावती नदी के जल स्तर पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं, जिसका वार्निंग लेवल 7 मीटर तथा डेंजर लेवल 8.30 मीटर निर्धारित किया गया है। नदी में जलभराव या ओडिशा के खातीगुड़ा डैम से पानी छोड़े जाने की स्थिति पर केंद्रीय जल आयोग के साथ मिलकर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि समय रहते मैदानी इलाकों को सचेत किया जा सके। प्रशासन ने संभावित रूप से प्रभावित होने वाले संवेदनशील विकासखंडों के अंतर्गत बकावण्ड के तारापुर, बनियागांव, बजावण्ड एवं बेलगांव सहित जगदलपुर के धनपुंजी, नगरनार, भेजापदर तथा लोहंडीगुड़ा के टाकरागुड़ा, बडांजी, कुम्हली और बस्तर तहसील के बड़े चकवा, पटेलपारा जैसे दर्जनों गांवों को पहले से चिन्हित कर लिया है।

बाढ़ प्रभावितों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए कई प्राथमिक शाला भवनों, धर्मशाला और सामुदायिक केंद्रों को राहत शिविर स्थल के रूप में आरक्षित किया गया है। इन सभी शिविरों के लिए विशेष नोडल अधिकारियों और प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो वहां रहने वाले लोगों के लिए भोजन, शुद्ध पेयजल, बिजली और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। महामारी से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और राहत शिविरों में ब्लीचिंग पाउडर और क्लोरीन टैबलेट का छिड़काव करवाएं। इसके साथ ही आपदा के दौरान गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से कटने की स्थिति के मद्देनजर पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न, मिट्टी तेल और डीजल का अग्रिम भंडारण करने के निर्देश खाद्य नियंत्रक को दिए गए हैं।

सुरक्षित आवागमन और बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के लिए लोक निर्माण विभाग और वन विभाग को सड़कों पर जलभराव या पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में तत्काल वैकल्पिक मार्ग या चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए हैं। विद्युत विभाग भी मानसून से ठीक पहले पेड़ों की छंटाई और ढीले तारों को दुरुस्त करने में जुट गया है ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो। रेस्क्यू ऑपरेशन को गति देने के लिए नगर सेना और जिला सेनानी को नावों, लाइफ जैकेट और अन्य बचाव उपकरणों की मॉकड्रिल कर उन्हें तैयार रखने को कहा गया है। जिला प्रशासन द्वारा आम जनता से अपील की गई है कि वे किसी भी तरह की आपदा या जलभराव की स्थिति में घबराएं नहीं और तुरंत कंट्रोल रूम नंबरों पर सूचना देकर सक्रिय सहयोग करें।

गंगामुंडा तालाब में स्वच्छता अभियान के साथ किया गया पौधरोपण

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत नगर निगम क्षेत्र के गंगामुंडा तालाब में स्वच्छता अभियान एवं एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप एवं विधायक किरण देव ने गंगामुंडा तालाब पहुंचकर स्वयं सफाई अभियान में सहभागिता निभाई और स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने नागरिकों से अपने आस-पास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर गंगामुंडा तालाब परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महापौर संजय पांडे, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन, जनप्रतिनिधि वेदप्रकाश पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नारायणपुर में धर्मांतरण गतिविधियों को लेकर जनजाति समाज ने किया प्रदर्शन

लोकमाया न्यूज ।

नारायणपुर। जिले के ग्राम भरंडा के बाजार पारा में कथित धर्मांतरण गतिविधियों को लेकर जनजातीय समाज, ग्राम सभा प्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर प्रदर्शन किया और प्रशासन पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि 9 जून को स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें कुछ लोगों पर जनजातीय समाज की आस्था, देवी-देवताओं और पारंपरिक मान्यताओं के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणियां करने और धर्मांतरण के लिए प्रेरित करने के आरोप लगाए गए थे। लेकिन शिकायत के बाद भी अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे समाज में नाराजगी बढ़ती जा रही है। शिकायत के कई दिन बाद भी न तो जांच की स्थिति स्पष्ट की गई और न ही कोई ठोस कार्रवाई हुई। इसी मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में पूरे मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच, आरोप सत्य पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और जिले में संचालित ऐसी अन्य गतिविधियों की भी जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही अब तक हुई जांच और कार्रवाई की स्थिति सार्वजनिक करने की भी मांग उठाई गई है। जनजातीय समाज का कहना है कि यह मामला उनकी धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक मूल्यों से जुड़ा हुआ है, इसलिए प्रशासन को गंभीरता से हस्तक्षेप कर जल्द उचित कदम उठाने चाहिए। फिलहाल इस पूरे मामले पर सभी की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई।

शराब के नशे में मां की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

लोकमाया न्यूज ।

दंतेवाड़ा। जिले के भांसी थाना क्षेत्र अंतर्गत धुरली में शराब के नशे में एक युवक ने अपनी ही मां की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि युवक ने अपनी मां से खाना मांगा था, लेकिन खाना देने में देरी हो गई थी। इसी बात से नाराज होकर युवक ने अपनी मां को बेदम पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस जानकारी के अनुसार धुरली टिटेमपारा निवासी बुधरी तेलाम (60) की हत्या हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वारदात वाले दिन महिला का बेटा सामु उर्फ श्याम तेलाम (32) आरोपी शराब के नशे में घर पहुंचा और अपनी मां से खाना मांगा। जब उसे खाना नहीं मिला तो वह गुस्से में आ गया। इसी दौरान उसने पास में रखे बांस के डंडे से अपनी मां के सिर पर जोरदार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से बुधरी तेलाम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में निरीक्षक प्रदीप बिसेन के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, सबूत जुटाए, शव का पोस्टमार्टम कराया और प्रत्यक्षदर्शियों के साथ ही अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए।

मामले में थाना भांसी में अपराध क्रमांक 05/2026 के तहत धारा 103 (1) बीएनएस के अंतर्गत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान संदेह के आधार पर आरोपी सामु उर्फ श्याम तेलाम को हिरासत में लिया गया और उससे पूछताछ में उसने अपनी मां की हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस को आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एएसपी आरके बर्मन ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

3 पुनर्वासित युवाओं को मिली ई-रिक्शा, अधिकारियों ने किया सफर

लोकमाया न्यूज ।

सुकमा। नक्सल पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली। डीआईजी सीआरपीएफ आनंद सिंह राजपुरोहित, कलेक्टर अमित कुमार एवं एसपी किरण चव्हाण ने नक्सल पुनर्वास केंद्र पहुंचकर 36 पुनर्वासित युवाओं को वैलकम किट वितरित की। इस अवसर पर अधिकारियों ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोडने् और सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करने के लिए शासन की प्रतिबद्धता को दोहराया।

कार्यक्रम के दौरान आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन पुनर्वासित (आत्मसमर्पित नक्सली) युवाओं में पोडियाम राजू, मनीष लखमा और कलमू कोसा को जिला प्रशासन के द्वारा ई-रिक्शा प्रदान किए गए। इस सकारात्मक पहल से ये युवा स्वरोजगार के माध्यम से नियमित आय अर्जित कर सकेंगे और अपने परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान देंगे। प्रशासन का मानना है कि रोजगार और आत्मनिर्भरता ही स्थायी पुनर्वास की सबसे मजबूत आधारशिला है। इस दौरान अधिकारियों ने ई रिक्शा में जिला अस्पताल तक का सफ़र भी किया। छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित युवाओं के लिए व्यापक पुनर्वास व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ा जा रहा है तथा कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक पुनर्स्थापन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सुकमा प्रशासन के इन प्रयासों से न केवल युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है, बल्कि क्षेत्र में शांति, विकास और विश्वास का वातावरण भी मजबूत हो रहा है।

केंद्रीय संचार ब्यूरो, जगदलपुर द्वारा 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर का आयोजन

योग शिविर में एनसीसी, एनएसएस, पतंजलि योग समिति और युवाओं सहित लगभग 150 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय जगदलपुर द्वारा आज 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रांगण में एक विशाल योग शिविर का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महिला पतंजलि योग समिति, जगदलपुर की छत्तीसगढ़ राज्य कार्यकारिणी सदस्य माना कोरम के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में उपस्थित जनसमुदाय को योग का सघन प्रशिक्षण दिया गया। इस शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्स्), राष्ट्रीय छात्र सेना (ह्ष्ष्ट), महिला पतंजलि योग समिति जगदलपुर के सदस्यों, महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक स्टाफ तथा पीएमटी हॉस्टल की छात्राओं सहित लगभग 150 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया।पूरा परिसर 'करें योग, रहें निरोग' के प्रेरक नारों से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम के अंत में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा उपस्थित अतिथियों को सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

दिव्यांग बच्चों की पहचान के लिए जिलेभर में सर्वे टीमों को मिला प्रशिक्षण

लोकमाया न्यूज ।

बीजापुर। समग्र शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों की पहचान एवं उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंडों में व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। राज्य कार्यालय समग्र शिक्षा के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर श्री विश्वदीप के आदेश तथा जिला मिशन संचालक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती नम्रता चैबे के निर्देश पर यह महत्वपूर्ण पहल संचालित की गई। जिला मिशन समन्वयक श्री जी.बी.एस. रेड्डी एवं सहायक कार्यक्रम समन्वयक तथा समावेशी शिक्षा प्रभारी श्री तारकेश्वर पैकरा के सफल मार्गदर्शन में जिलेभर में दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं पहचान के लिए गठित सर्वे टीमों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं की प्रारंभिक पहचान कर बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक एवं सहायक सेवाओं से जोड़ना है। इस दौरान विकासखंड स्तर पर कार्यरत समावेशी शिक्षा प्रभारियों एवं बीआरपी समावेशी शिक्षा द्वारा शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा मितानिनों को दिव्यांग बच्चों की पहचान, सर्वे प्रक्रिया तथा आवश्यक कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया गया कि किस प्रकार प्रारंभिक स्तर पर बच्चों में दिव्यांगता के संकेतों की पहचान कर उन्हें उचित सहायता एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षार्थियों को सर्वे प्रपत्र उपलब्ध कराते हुए चिन्हांकन प्रक्रिया संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि सर्वे कार्य के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई न आए और दिव्यांग बच्चों की सही एवं समयबद्ध पहचान सुनिश्चित की जा सके।

पुलिस व समाज की संयुक्त बैठक में आपसी सहमति से सुलझा 15 साल पुराना जमीन विवाद

लोकमाया न्यूज ।

कांकेर। जिले के बांदे थाना क्षेत्र अंतर्गत पी.व्ही.-79 गांव में जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच पिछले लगभग 15 वर्षों से विवाद चल रहा था। विवाद के कारण दोनों पक्षों के बीच लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए बांदे पुलिस और समाज प्रमुखों ने आज शनिवार को संयुक्त रूप से गांव में बैठक आयोजित कर बैठक में दोनों पक्षों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना गया। आपसी संवाद एवं समझाइश के माध्यम से समाधान का रास्ता निकाला गया। पुलिस अधिकारियों और समाज प्रमुखों ने दोनों पक्षों को भाईचारे और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की सलाह दी। साथ ही भविष्य में किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में कानून का सहारा लेने और शांति बनाए रखने की अपील भी की गई। पुलिस और समाज प्रमुखों की इस पहल से न केवल वर्षों पुराना जमीन विवाद समाप्त हुआ, बल्कि गांव में आपसी विश्वास और सामाजिक समरसता भी मजबूत हुई है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज में शांति और सौहार्द कायम करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है। बंग समाज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मंडल का कहना है कि पिछले 15 साल से चला आ रहा विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिया गया है। इसमें पुलिस प्रशासन का भी सबसे बड़ा सहयोग हमें देखने को मिला है। कांकेर एएसपी राकेश कुर्रेने बताया कि हमारी कोशिश है कि गांव में आपसी भाईचारा बना रहे,किसी तरह का विवाद ना हो। इसके लिए हमने दोनों पक्षों में समझौता करवाया है,ताकि शांति बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध खनन पर खनिज विभाग का बड़ा प्रहार, 1 जेसीबी समेत 9 वाहन जप्त

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश एवं उप संचालक, खनि प्रशासन के मार्गदर्शन में खनिज विभाग कोरबा द्वारा जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान खनिज उड़नदस्ता दल ने विभिन्न संदिग्ध क्षेत्रों में छापेमारी कर अवैध गतिविधियों में संलिप्त 1 जेसीबी, 1 ट्रेलर, 2 टीपर एवं 5 ट्रैक्टर सहित कुल 9 वाहनों को जप्त किया।

खनिज विभाग की टीम ने सीतामढ़ी, बरमपुर, कपाटमुड़ा, सुराकछार, बांकीमोगरा, तिलसरा, गुरसिया सहित अन्य क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान बांकीमोगरा, कोसाबाड़ी, बरमपुर, घरीपखना एवं गुरसिया क्षेत्र में गिट्टी, मिट्टी और रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में लगे वाहनों को पकड़कर जप्त किया गया। जप्त वाहनों को बांकीमोगरा थाना, रामपुर थाना, बांगो थाना तथा खनिज जांच चैकी रामपुर-कटघोरा में अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग के अनुसार जिले में अवैध खनन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई जारी है। अप्रैल से 15 जून 2026 तक अवैध उत्खनन के 12 प्रकरणों में 6 लाख 74 हजार 100 रुपये, अवैध परिवहन के 89 प्रकरणों में 7 लाख 37 हजार 931 रुपये तथा अवैध भण्डारण के 10 प्रकरणों में 7 लाख 14 हजार 810 रुपये की वसूली की गई है। इस अवधि में कुल 18 लाख 70 हजार 473 रुपये राजस्व की वसूली की जा चुकी है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः प्रेस क्लब की महिला पत्रकार समूह द्वारा पुष्पलता उद्यान में विशेष योग कार्यक्रम आयोजित

कोरबा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोरबा प्रेस क्लब की महिला पत्रकार समूह द्वारा निहारिका स्थित पुष्पलता उद्यान में विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला पत्रकार समूह द्वारा आयोजित यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था, जिसे प्रतिभागियों का भरपूर सहयोग और उत्साह प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर संजू देवी राजपूत शामिल हुईं। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। योगाचार्य दुर्गेश राठौर ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम में नाड़ी वैद्य एवं आयुर्वेदाचार्य नागेंद्र शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए योग और आयुर्वेद को अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि प्राचीन पद्धतियां शरीर और मन को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम में महिला पत्रकारों के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और शहरवासियों ने सहभागिता कर योगाभ्यास किया। महिला पत्रकार समूह द्वारा पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों ने खूब सराहा।

बालको की स्वास्थ्य क्रांतिः 1.2 लाख लोगों तक पहुंचीं बेहतर चिकित्सा सेवाएं

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा-बालकोनगर। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास के बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं समाज के उन लोगों तक भी पहुंचें, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। ऐसे कई ग्रामीण क्षेत्रों में जहां कभी इलाज के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। वहां भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) की मोबाइल हेल्थ वैन (एमएचवी) और प्रोजेक्ट आरोग्य महत्वपूर्ण बदलाव ला रहे हैं। इनके माध्यम से वित्तवर्ष 2026 में लगभग 1.2 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल चुका है। पाढ़ीमार गांव की 60 वर्षीय फूलमणि एक्का कई वर्षों से गठिया के कारण जोड़ों के दर्द से परेशान थीं। दर्द इतना बढ़ गया था कि उनके लिए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना भी कठिन हो गया था। दूरी, शारीरिक परेशानी और आर्थिक चुनौतियां उनके इलाज में बड़ी बाधा थीं।

फूलमणि बताती हैं, मेरे लिए इलाज के लिए बाहर जाना संभव नहीं था। जब बालको की मोबाइल हेल्थ वैन हमारे गांव आने लगी, तब मुझे घर के पास ही डॉक्टरों की सलाह और उपचार मिलने लगा। अब मेरा इलाज नियमित रूप से हो रहा है और हर दौरे पर मुझे फिजियोथेरेपी एवं व्यायाम संबंधी सही मार्गदर्शन भी मिलता है।

फूलमणि की कहानी ग्रामीण भारत की उस वास्तविकता को दर्शाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अक्सर दूरी, संसाधनों की कमी और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं के अभाव से प्रभावित होती है। ऐसे क्षेत्रों में समय पर जांच, नियमित परामर्श और निवारक स्वास्थ्य सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती हैं। कोरबा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी कहते हैं, छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना हमारी प्राथमिकता है। इस दिशा में बालको जैसे उद्योग महत्वपूर्ण सहयोगी की भूमिका निभा रहे हैं। प्रोजेक्ट आरोग्य और मोबाइल हेल्थ वैन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, जिससे क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता और पहुंच दोनों में सुधार हुआ है। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के करीब पहुंचाने के उद्देश्य से बालको की मोबाइल हेल्थ वैन आसपास के 70 गांवों एवं समुदाय में प्रत्येक पखवाड़े नियमित रूप से पहुंचती है। बदलती स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसमें फिजियोथेरेपी सेवाएं और प्रयोगशाला जांच सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं। वैन में 40 से अधिक प्रकार की जांच मौके पर ही की जा सकती हैं, जिससे समय रहते रोगों की पहचान, नियमित स्वास्थ्य निगरानी और आवश्यक उपचार सुनिश्चित हो पाता है।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना बनी सहारा, मनोज खूंटे के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

लोकमाया न्यूज ।

/सफलता की कहानी /

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा संचालित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का सशक्त माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के बैंक खातों में प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे अंतरित की जाती है, जिससे उनकी दैनिक जरूरतों की पूर्ति के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं को भी नई दिशा मिल रही है।

कोरबा जिले के ग्राम भुलसीडीह निवासी मनोज खूंटे इस योजना के लाभान्वित हितग्राही हैं। भूमिहीन होने के कारण उनकी आजीविका का मुख्य आधार मजदूरी कार्य था। सीमित आय में चार सदस्यीय परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की शिक्षा और अन्य आवश्यक खर्चों का प्रबंधन करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। कई बार आर्थिक तंगी के कारण परिवार की जरूरतों को पूरा करना कठिन हो जाता था। खूंटे बताते हैं कि दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत प्राप्त होने वाली 10 हजार रुपये की वार्षिक सहायता राशि ने उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। इस राशि से वे बच्चों की पढ़ाई, घरेलू आवश्यकताओं और अन्य जरूरी खर्चों का बेहतर ढंग से प्रबंधन कर पा रहे हैं। इससे परिवार को आर्थिक राहत मिली है और जीवन में स्थिरता आई है। वे बताते हैं कि अब उनका ध्यान केवल वर्तमान आवश्यकताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य को लेकर भी नई सोच विकसित हुई है। योजना से प्राप्त राशि का एक हिस्सा बचाकर वे छोटा व्यवसाय प्रारंभ करने की योजना बना रहे हैं, जिससे परिवार के लिए आय का स्थायी स्रोत तैयार किया जा सके और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा जा सके।

पीएम किसान उत्सव दिवस पर किसानों को मिली 15.72 करोड़ की सम्मान निधि

लोकमाया न्यूज ।

कृषि विज्ञान केंद्र, कोरबा में किसान प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोरबा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त के हस्तांतरण के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, कोरबा में ''पीएम किसान उत्सव दिवस'' के तहत किसान प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवों से आए किसानों ने भाग लेकर कृषि की नवीन तकनीकों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर कोरबा जिले के 78 हजार 620 किसानों के खातों में 15.72 करोड़ रुपये की सम्मान निधि राशि अंतरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप संचालक कृषि डी.पी.एस. कंवर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को किसानों की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में जैविक एवं प्राकृतिक खेती, बीज पंजीयन, प्रमाणित बीज उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा कृषि से अधिक आय अर्जित करने के उपायों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी। कृषि विभाग द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान के तहत फसल संरक्षण, मृदा परीक्षण, जल संरक्षण एवं समेकित कीट प्रबंधन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, जैविक खाद एवं जैव उर्वरकों के उपयोग तथा कृषि उद्यमिता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

कार्यक्रम में 75 किसानों सहित कुल 92 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। अंत में किसानों से वैज्ञानिक खेती अपनाकर गुणवत्तायुक्त बीजों के उपयोग तथा शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आय बढ़ाने का आह्वान किया गया।

दिनदहाड़े चल रहा पशु तस्करी का नेटवर्क! उदयपुर-रामानुजनगर से प्रेमनगर पहुंच रहे मवेशी, ग्रामीणों में आक्रोश

छोटे-छोटे समूहों में लाए जा रहे मवेशी, निगरानी व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

लोकमाया न्यूज ।

सूरजपुर। सूरजपुर जिले के प्रेमनगर क्षेत्र में पशु तस्करी को लेकर ग्रामीणों में लगातार नाराजगी बढ़ रही है। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि पशु तस्करी अब रात के अंधेरे तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि दिन के उजाले में खुलेआम संचालित हो रही है। विशेष रूप से शुक्रवार को लगने वाले पशु बाजार के दिन तस्करी की गतिविधियां और अधिक बढ़ जाती हैं, जब बड़ी संख्या में मवेशियों की खरीदी-बिक्री और आवाजाही देखने को मिलती है। स्थानीय लोगों के अनुसार उदयपुर और रामानुजनगर विकासखंड के विभिन्न गांवों से मवेशियों को प्रेमनगर क्षेत्र में लाया जाता है। तस्कर संदेह से बचने के लिए एक साथ बड़ी संख्या में पशु नहीं लाते, बल्कि 4 से 10 मवेशियों के छोटे-छोटे झुंड बनाकर अलग-अलग मार्गों से लाते हैं। कई मामलों में 3 से 4 पशुओं के समूह में भी परिवहन किया जाता है, जिससे गतिविधियां सामान्य पशु व्यापार जैसी प्रतीत हों और निगरानी एजेंसियों की नजर से बचा जा सके। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रेमनगर पहुंचने के बाद इन मवेशियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में एकत्र किया जाता है। इसके बाद सारसताल, बलदेवनगर होते हुए कोरबा जिले के सीमावर्ती गांव कोठीखर्रा तथा नवापारा कला से कोरिया जिले की सीमा से लगे गांवों तक पहुंचाया जाता है। सूत्रों के मुताबिक, कोरिया जिले के कुछ स्थानों में पशुओं को अस्थायी रूप से रखा जाता है और बाद में बड़े ट्रक एवं पिकअप वाहनों में भरकर मध्य प्रदेश की ओर भेजा जाता है। लोगों का कहना है कि तस्करी में शामिल पशुओं में आवारा मवेशियों के साथ-साथ चोरी किए गए पशु भी शामिल हो सकते हैं। कई पशुपालकों ने समय-समय पर अपने मवेशियों के अचानक गायब होने की शिकायतें भी की हैं। वहीं पशुओं को बिना पर्याप्त चारा और पानी के लंबी दूरी तक ले जाने के आरोप भी लग रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार पशुओं को अत्यंत क्रूर परिस्थितियों में पैदल हांककर या वाहनों में ठूंसकर ले जाया जाता है। क्षेत्र के नागरिकों का आरोप है कि लंबे समय से यह गतिविधियां चल रही हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई देखने को नहीं मिल रही। सीमावर्ती मार्गों से लगातार पशुओं की आवाजाही होने के बावजूद निगरानी और जांच की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। इससे आम लोगों के बीच प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों और पशु संरक्षण से जुड़े लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर तस्करी के कथित नेटवर्क पर कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र में जनआंदोलन की स्थिति बन सकती है।

पीएम आवास शहरी 2.0 योजना से साकार हुआ गुंजा साहू का पक्के घर का सपना

लोकमाया न्यूज ।

/सफलता की कहानी/

कोरबा। शासन की महत्वाकांक्षीपीएम आवास शहरी 2.0 योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए पक्के आवास का सपना साकार कर रही है। इसी योजना के तहत कोरबा शहर के काशीनगर निवासी गुंजा साहू को आवास निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जिससे उनका वर्षों पुराना सपना पूरा हो सका। गुंजा साहू के पति सोनू राम साहू ठेका कर्मी के रूप में कार्यरत हैं। सीमित आय के कारण पक्का मकान बनाना परिवार के लिए कठिन था। योजना के अंतर्गत उन्हें तीन किश्तों में लगभग 2.50 लाख रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। इस राशि तथा अपनी बचत का उपयोग कर उन्होंने अपने आवास का निर्माण पूरा किया।आज उनका परिवार अपने पक्के घर में सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रहा है। यह आवास उनके लिए केवल एक घर नहीं, बल्कि

सुरक्षा, आत्मसम्मान और बेहतर भविष्य का आधार बन गया है। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए गुंजा साहू ने कहा, पक्का घर बनाना हमारा सपना था, जो अब पूरा हो गया है। शासन की सहायता से हमें अपना आशियाना मिला है। इसके लिए हम प्रधानमंत्री जी एवं शासन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

पीएम आवास शहरी 2.0 योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को आवासीय सुरक्षा प्रदान कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

बिहान योजना ने दी नई पहचान -सुरेखा जायसवाल बनीं 'लखपति दीदी'

लोकमाया न्यूज ।

//सफलता की कहानी//

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। बिहान योजना के माध्यम से महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस पहल से अनेक महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। कटघोरा विकासखंड के ग्राम धंवईपुर नवापारा की निवासी सुरेखा जायसवाल इसकी प्रेरणादायक मिसाल हैं।

कक्षा दसवीं तक शिक्षित सुरेखा जायसवाल पहले एक सामान्य गृहिणी थीं। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी मुख्य रूप से उनके पति पर थी,

लेकिन वे भी परिवार की आय बढ़ाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की इच्छा रखती थीं। वर्ष 2019 में बिहान योजना के अंतर्गत आस्था महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।समूह से जुड़ने के बाद उन्हें वित्तीय सहयोग के साथ-साथ विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त हुए, जिससे उनके भीतर आत्मविश्वास का विकास हुआ और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिला। समूह के माध्यम से उन्हें आरएफ मद से 10 हजार रुपये, सीआईएफ मद से 30 हजार रुपये तथा स्वयं सिद्धा पहल के अंतर्गत 2 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त एफएलसीआरपी के माध्यम से बैंक से 1 लाख रुपये का ऋण भी उपलब्ध कराया गया। प्राप्त वित्तीय सहायता का सदुपयोग करते हुए सुरेखा ने श्रृंगार सामग्री की दुकान, किराना दुकान एवं फोटोकॉपी सेंटर की स्थापना की। उनकी मेहनत, लगन और व्यवसायिक समझ का परिणाम यह रहा कि आज उनकी वार्षिक आय लगभग 1 लाख 10 हजार रुपये तक पहुंच गई है। आर्थिक रूप से सशक्त बनने के साथ ही उन्होंने समाज में अपनी अलग पहचान बनाई है और आज वे लखपति दीदी के रूप में जानी जाती हैं।

सुरेखा बताती हैं कि स्वरोजगार से जुड़ने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। अब वे परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं तथा घर के निर्णयों में भी उनकी सक्रिय भूमिका है। आर्थिक आत्मनिर्भरता ने उनके आत्मविश्वास को नई ऊंचाई प्रदान की है। अपनी सफलता का श्रेय वे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, छत्तीसगढ़ शासन और बिहान योजना को देते हुए कहती हैं कि शासन के सहयोग और स्व-सहायता समूह से मिले मार्गदर्शन ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया। आज वे सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रही हैं और अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं।

सुरेखा जायसवाल की सफलता की यह कहानी दर्शाती है कि उचित मार्गदर्शन, वित्तीय सहयोग और दृढ़ संकल्प के बल पर महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

मौत का करंटः टूटे 11 केवी तार ने उजाड़ दिया भालू परिवार, नर-मादा और शावक की दर्दनाक मौत

लोकमाया न्यूज ।

सूरजपुर/ प्रतापपुर। जंगलों में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे दावों के बीच सूरजपुर जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र से एक बेहद दुखद और चिंताजनक घटना सामने आई है। जंगल में टूटकर गिरे करंट प्रवाहित विद्युत तार की चपेट में आने से एक पूरे भालू परिवार की मौत हो गई। इस घटना ने वन्यजीव संरक्षण व्यवस्था के साथ-साथ जंगल क्षेत्रों से गुजरने वाली बिजली लाइनों की सुरक्षा और निगरानी पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत पार्वतीपुर स्थित झिंगरामाड़ा जंगल में शुक्रवार रात करंट की चपेट में आने से एक नर भालू, एक मादा भालू और उसके शावक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में 11 केवी विद्युत लाइन का तार टूटकर जमीन पर गिरना हादसे का कारण माना जा रहा है। घटना के बाद वन विभाग ने पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पार्वतीपुर स्थित वन विभाग की नर्सरी से लगभग 500 मीटर दूर वृक्षारोपण क्षेत्र कक्ष क्रमांक पी-17 में शुक्रवार रात एक भालू परिवार विचरण कर रहा था। इसी दौरान क्षेत्र से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन का इंसुलेटर तेज आंधी

और बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे तार टूटकर जमीन पर गिर गया। तार में विद्युत प्रवाह जारी रहने के कारण वह क्षेत्र मौत के जाल में तब्दील हो गया। भोजन और पानी की तलाश में जंगल में घूम रहे नर, मादा और उनके शावक ने अनजाने में टूटे हुए तार के संपर्क में आते ही तेज करंट की चपेट में आकर दम तोड़ दिया। रात होने और मौसम खराब होने के कारण घटना की जानकारी तत्काल नहीं मिल सकी।

शनिवार सुबह ग्रामीणों से सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। उप वन मंडलाधिकारी संस्कृति बाले, प्रभारी रेंजर विजय तिवारी, डिप्टी रेंजर मान सिंह सहित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई पूरी की तथा मामले की जांच शुरू की।

घटना के बाद पशु चिकित्सकों की तीन सदस्यीय टीम ने मृत भालुओं का पोस्टमार्टम किया। टीम में डॉ. विवेक पैकरा, डॉ. गोविंदा साहू एवं डॉ. एस.एस. पटेल शामिल थे। चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम के दौरान तीनों वन्यजीवों के शरीर पर करंट से झुलसने के निशान पाए तथा मौत का कारण विद्युत प्रवाह की चपेट में आना बताया। पोस्टमार्टम उपरांत वन विभाग द्वारा नियमानुसार जंगल में ही मृत भालुओं का अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि जंगलों से गुजरने वाली विद्युत लाइनों का नियमित निरीक्षण और रखरखाव नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। उनका मानना है कि यदि समय रहते लाइन की निगरानी और आवश्यक सुधार कार्य किए गए होते तो एक पूरे भालू परिवार की जान बचाई जा सकती थी।

इस संबंध में हमर उत्थान सेवा समिति ने घटना को गंभीर बताते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। समिति ने कहा है कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि संभावित लापरवाही का मामला प्रतीत होता है। समिति ने वन विभाग और विद्युत विभाग के अधिकारियों की संयुक्त जांच के लिए विशेष जांच दल गठित कर जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की है। साथ ही जंगल क्षेत्रों से गुजरने वाली विद्युत लाइनों का सुरक्षा नियमित निरीक्षण एवं रखरखाव सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है, ताकि भविष्य में वन्यजीवों की मौत ना हो।

सर्पदंश से महिला की मृत्यु सिविल लाइन थाने में भी निकला सांप

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। कोरबा जिले में मौसम बदलने और बारिश की शुरुआत के साथ ही सर्पदंश की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। ग्राम पसान में एक 38 वर्षीय महिला की जहरीले सांप के काटने से मृत्यु हो गई। वहीं सिविल लाइन थाना परिसर में थाना प्रभारी के चेंबर में सांप निकलने से पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। दोनों घटनाओं के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, पसान गांव निवासी भीमकुंवर (38) अपने घर में साफ-सफाई कर रही थीं। इसी दौरान जमीन में छिपे एक जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया। महिला की चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और सांप को मार दिया। महिला के पति चैन सिंह गोंड ने बताया कि सर्पदंश के तुरंत बाद भीमकुंवर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल कोरबा रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। परिजनों के अनुसार, मृतका अपने पीछे पति और दो बेटियों को छोड़ गई हैं। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। दूसरी घटना सिविल लाइन थाना में सामने आई। थाना प्रभारी आशीष वर्मा के चैंबर में एक सांप कुंडली मारकर बैठा मिला। सांप को देखते ही थाने में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस कर्मियों ने तत्काल स्नेक कैचर टीम को सूचना दी। सूचना मिलने पर स्नेक कैचर जितेंद्र सारथी मौके पर पहुंचे और सुरक्षित तरीके से सांप का रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया।

एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप 2025-26 : भारत ने चिली को 6-0 से रौंदकर फाइनल में बनाई जगह

आकलैंड

भारतीय महिला हाकी टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एफ आईएच महिला हाकी नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 के सेमीफाइनल में शनिवार को चिली को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की और फाइनल में प्रवेश कर लिया।

भारतीय टीम की इस शानदार जीत में नवनीत कौर और दीपिका ने दो-दो गोल दागे, जबकि नेहा और ऋतुजा दादासो पिसाल ने एक-एक गोल किया। कप्तान सलीमा टेटे को उनके बेहतरीन आलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

भारत अब फाइनल में अमेरिका और मेज़बान न्यूज़ीलैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से भिड़ेगा।

भारत ने मुकाबले की शुरुआत से ही गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और छठे मिनट में मिले पहले पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलते हुए बढ़त हासिल की। नवनीत कौर ने सटीक शाट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

13वें मिनट में कप्तान सलीमा टेटे ने बाएं फ्लैंक से शानदार मूव बनाते हुए गेंद नवनीत तक पहुंचाई और उन्होंने अपना दूसरा गोल दागकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

इसके बाद दीपिका ने लगातार दो पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलते हुए 14वें और 18वें मिनट में गोल दागे और भारत ने पहले हाफ में ही 4-0 की मजबूत बढ़त बना ली।

दीपिका के इन दो गोलों के साथ टूर्नामेंट में उनके कुल गोलों की संख्या छह हो गई और वह शीर्ष गोल स्कोरर बन गईं।

दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। नेहा ने 32वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर स्कोर 5-0 किया। इसके बाद ऋतुजा दादासो पिसाल ने 39वें मिनट में ओपन प्ले से शानदार रिवर्स हिट लगाकर भारत का छठा गोल दाग दिया। अंतिम क्वार्टर में चिली ने कुछ मौके बनाए, लेकिन भारतीय गोलकीपर सविता ने बेहतरीन बचाव करते हुए विपक्षी टीम को कोई गोल नहीं करने दिया। भारत ने अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा और 6-0 की बड़ी जीत के साथ खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली।

न्यूज ब्रीफ

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप : समीर, रोहित ने दिलाया स्वर्ण, भारत ने दूसरे दिन जीते पांच पदक

सुहल (जर्मनी)। भारतीय निशानेबाजों ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में

शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे दिन शुक्रवार को कुल पांच पदक अपने नाम किए। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने दो दिन में कुल आठ पदक (4 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य) हासिल कर पदक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। भारत के लिए समीर ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने फाइनल में शानदार संयम दिखाते हुए 28 हिट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन जूनियर पुरुष वर्ग में रोहित कन्यान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया और भारतीय अभियान को और मजबूत किया। महिला वर्ग में प्राची गायकवाड़ ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन जूनियर महिला स्पर्धा में 354.7 अंक के साथ रजत पदक जीतकर भारत की झोली में एक और सफलता जोड़ी। टीम स्पर्धाओं में भी भारतीय निशानेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया। 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन जूनियर पुरुष टीम स्पर्धा में रोहित कन्यान, वेदांत नितिन वाघमारे और हितेश श्रीनिवासन की तिकड़ी ने कांस्य पदक जीता। इसके अलावा 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष टीम स्पर्धा में समीर, अभिनव चौधरी और साहिल चौधरी ने कांस्य पदक हासिल कर भारत के पदकों की संख्या बढ़ाई। लगातार दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय दल ने चैंपियनशिप में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है और व्यक्तिगत व टीम दोनों वर्गों में प्रभावशाली शुरुआत की है।

फीफा विश्व कप 2026 : मोरक्को ने स्काटलैंड को 1-0 से हराया

फाक्सबोरो। फीफा विश्व कप 2026 में मोरक्को ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को स्काटलैंड को

1-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की और नाकआउट चरण की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। मुकाबले का एकमात्र और निर्णायक गोल इस्माइल साइबारी ने मैच शुरू होने के केवल 71 सेकंड बाद दागा, जो अब तक इस विश्व कप का सबसे तेज गोल बन गया है। मोरक्को के लिए यह जीत बेहद अहम रही। टीम अब दो मैचों में चार अंक लेकर ग्रुप-सी में मजबूत स्थिति में पहुंच गई है और अंतिम-32 में जगह बनाने के करीब है। 25 वर्षीय इस्माइल साइबारी ने पिछले मुकाबले में ब्राजील के खिलाफ भी गोल किया था। इस बार उन्होंने शुरुआती मिनट में मिले मौके को शानदार तरीके से गोल में बदलकर स्काटलैंड को शुरुआती झटका दिया। बताया जा रहा है कि साइबारी जल्द ही नीदरलैंड्स क्लब पीएसवी आइंडहोवन से जर्मनी के क्लब बायर्न म्यूनिख में बड़ी राशि पर स्थानांतरण कर सकते हैं। मोरक्को ने पूरे मैच में बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन टीम बढ़त को बड़ा अंतर नहीं दे सकी। पहले हाफ में बिलाल एल खन्नूस एक अच्छा मौका गंवा बैठे। दूसरे हाफ में भी मोरक्को ने दबाव बनाए रखा। 50वें मिनट में साइबारी का एक और प्रयास क्रासबार से टकरा गया। इसके कुछ देर बाद स्काटलैंड के गोलकीपर एंगस गन ने शानदार बचाव करते हुए टीम को दूसरा गोल खाने से बचाया। स्काटलैंड की टीम पूरे मुकाबले में आक्रामक खेल नहीं दिखा सकी और मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू को ज्यादा चुनौती नहीं दे पाई। रयान क्रिस्टी और स्काट मैकटोमिने ने अंत में प्रयास जरूर किए, लेकिन बराबरी का गोल नहीं मिल सका।

दोहा डायमंड लीग 2026 में चौथे स्थान पर रहे नीरज, राष्ट्रमंडल खेलों के लिए किया क्वालिफाई

दोहा। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने लगभग आठ महीने बाद प्रतियोगी वापसी करते हुए

शुक्रवार रात दोहा डायमंड लीग 2026 में चौथा स्थान हासिल किया। हालांकि वह पदक से चूक गए, लेकिन उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए निर्धारित क्वालिफिकेशन मार्क पार कर लिया। 28 वर्षीय नीरज पीठ की चोट के कारण लंबे समय से मैदान से बाहर थे। प्रतियोगिता में उनका पहला प्रयास फाउल रहा, लेकिन इसके बाद उन्होंने लय हासिल की और तीसरे प्रयास में 85.69 मीटर भाला फेंककर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इसके बाद चौथे प्रयास में उन्होंने 83.45 मीटर का थ्रो किया। अंतिम चरण में जगह बनाने के लिए उन्हें पांचवें प्रयास में 86 मीटर से अधिक दूरी हासिल करनी थी, लेकिन उनका यह प्रयास भी फाउल हो गया और वह चौथे स्थान पर खिसक गए। हालांकि नीरज अपनी वापसी को यादगार जीत में नहीं बदल सके, लेकिन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 85.69 मीटर राष्ट्रमंडल खेल 2026 के क्वालिफिकेशन मानक 82.61 मीटर से बेहतर रहा प्रतियोगिता का खिताब श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने 88.68 मीटर के थ्रो के साथ जीता। उन्होंने हाल ही में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का शानदार प्रदर्शन किया था।

भारत ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराया, सीरीज 3-0 से जीती

यशस्वी का शानदार शतक, रोहित की दमदार फिफ्टी; प्रसिद्ध कृष्णा ने झटके 5 विकेट

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले में 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की शृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई में खेले गए मुकाबले में भारत ने 219 रन के लक्ष्य को मात्र 28.4 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

यशस्वी जायसवाल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 110 रन बनाए। उनकी पारी में 14 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। कप्तान रोहित शर्मा ने भी 79 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल थे। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 170 रन जोड़कर भारत की जीत की मजबूत नींव रखी। श्रेयस अय्यर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

कप्तान शाहिदी का पहला वनडे शतक भी नहीं बचा सका अफगानिस्तान को

इससे पहले अफगानिस्तान के कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी ने अपने वनडे करियर का पहला शतक लगाते हुए 102 रन बनाए। अजमतुल्लाह उमरजई ने 50 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। हालांकि भारतीय गेंदबाजों के सामने अफगानिस्तान की पूरी टीम 44.2 ओवर में 218 रन पर सिमट गई।

भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। गुरनूर बरार, हर्ष दुबे और प्रिंस यादव को एक-एक विकेट मिला।

गिल ने बतौर कप्तान पहली वनडे सीरीज जीती

अफगानिस्तान के खिलाफ शृंखला जीतकर शुभमन गिल ने भारतीय टीम के कप्तान के रूप में अपनी पहली वनडे सीरीज जीत दर्ज की। इससे पहले उनकी कप्तानी में भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत ने 2-1 से सीरीज जीती थी, लेकिन उस शृंखला में कप्तानी केएल राहुल ने की थी। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में भारतीय टीम को 2-1 से हार झेलनी पड़ी थी।

यशस्वी बने सबसे तेज दो वनडे शतक लगाने वाले भारतीय

यशस्वी जायसवाल वनडे क्रिकेट में सबसे कम पारियों में दो शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने महज 6 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले शिखर धवन ने 7 पारियों और केदार जाधव ने 9 पारियों में दो शतक पूरे किए थे।

घर में भारत का सबसे तेज 200+ रन का सफल रन चेज

भारतीय टीम ने 219 रन के लक्ष्य को 29वें ओवर से पहले ही हासिल कर लिया। भारत ने 128 गेंद शेष रहते मुकाबला जीत लिया। यह घरेलू मैदान पर वनडे क्रिकेट में भारत द्वारा 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का सबसे तेज सफल पीछा है।

रोहित शर्मा बने भारत के सबसे सफल सलामी बल्लेबाज

रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय सलामी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग के नाम था, जिन्होंने ओपनर के रूप में 16,119 रन बनाए थे। रोहित के नाम अब 16,137 रन दर्ज हो गए हैं।

इसके अलावा रोहित शर्मा भारत के लिए वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 95वीं बार 50 या उससे अधिक रन की पारी खेली, जबकि राहुल द्रविड़ ने अपने करियर में 94 बार यह उपलब्धि हासिल की थी।

प्रसिद्ध कृष्णा ने इस मुकाबले में 23 रन देकर 5 विकेट लिए। यह चेपॉक के मैदान पर वनडे क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। साथ ही, इस मैदान पर किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा लिया गया यह पहला पांच विकेट हॉल भी है।

हश्मतुल्लाह शाहिदी का पहला वनडे शतक

वर्ष 2013 में वनडे पदार्पण करने वाले हश्मतुल्लाह शाहिदी ने अपने करियर का पहला वनडे शतक जड़ा। डेब्यू के 4,644 दिन बाद उनके बल्ले से यह शतक निकला। यह वनडे पदार्पण के बाद शतक बनाने के लिए चौथा सबसे लंबा इंतजार माना जा रहा है।

सरांश का आलराउंड' कहर; छक्के से दिलाई रायल निमाड़ को रोमांचक जीत

इंदौर। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 में शुक्रवार को होलकर स्टेडियम में रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिली। कप्तान सरांश जैन के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन (4 विकेट और नाबाद 39 रन) की बदौलत रायल निमाड़ ईगल्स ने बुंदेलखंड बुल्स को 4 विकेट से हराकर प्लेआफ की दावेदारी को और मजबूत कर लिया। टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का सरांश जैन का फैसला टीम के लिए सही साबित हुआ। रायल निमाड़ के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए बुंदेलखंड बुल्स को 19.4 ओवर में 166 रन पर समेट दिया। बुंदेलखंड की ओर से कप्तान अभिषेक अरुण कुमार पाठक ने 13 गेंदों में 31 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें पांच छक्के शामिल थे। शिवांग कुमार ने 18 गेंदों में 31 रन बनाए, जबकि पार्थ गोस्वामी (25) और अनंत दुबे (21) ने उपयोगी योगदान दिया। रायल निमाड़ की ओर से कप्तान सरांश जैन ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 28 रन देकर चार विकेट झटके। वहीं परुष मंडल ने भी प्रभावी गेंदबाजी करते हुए 3.4 ओवर में 31 रन देकर चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। 167 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रायल निमाड़ की शुरुआत खराब रही और टीम ने 38 रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। दबाव के समय शिवांश चतुर्वेदी ने 16 गेंदों में 30 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

फीफा विश्वकप में दिग्गजों को टक्कर दे रहे युवा खिलाड़ी

कैलिफोर्निया

फीफा विश्वकप में इस बार शामिल 48 टीमों में उम्रदराज और युवा दोनो ही तरह के खिलाड़ी शामिल हैं। जहां 40 साल की उम्र के अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनन मैसी और 41 पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो व 40 साल के क्रोएशिया के लुका मोड्रिक सहित कई टीमों के दिग्गज खिलाड़ी उतरे हैं। वहीं इनसे आधी उम्र के उभरते हुए फुटबालर इन्हें टक्कर देते हुए दिख रहे हैं। वहीं सेनेगल के 18 साल के फारवर्ड इब्राहिम एमबाए ने टूर्नामेंट के अपने पहले ही मैच में गोल दागकर अपने स्टार बनने के संकेत दिए हैं। इसके अलावा स्पेन के 19 साल के होने जा रहे लामिन यामल सबसे होनहार खिलाड़ियों में से एक के रुप में उभरकर सामने आये हैं। मांसपेशियों में खिंचाव के बाद वापसी करते हुए उन्हें केप वर्डे के साथ ड्रा मैच में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतारा गया था। इस विश्व कप में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी मैक्सिको के 17 वर्षीय मिडफील्डर गिलबर्टो मोरा हैं, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका पर 2-0 की जीत के दूसरे हाफ में मैदान पर उतरकर अपने अच्छे प्रदर्शन से घरेलू दर्शकों की प्रशंसा बटोरी। सेनेगल के फारवर्ड इब्राहिम एमबाए ने पहली बार विश्व कप में खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया; फ्रांस में जन्मे इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने फ्रांस के खिलाफ 75वें मिनट में मैदान पर आकर एक महत्वपूर्ण गोल दागा। मोरक्को के 18 वर्षीय अय्यूब बौआदी ने

ब्राजील के खिलाफ 1-1 से ड्रा रहे मैच में अपनी छाप छोड़ी, जबकि मिस्र के 18 वर्षीय फारवर्ड हमजा अब्देलकरीम बेल्जियम के साथ 1-1 से ड्रा रहे मैच में 76वें मिनट में स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह की जगह मैदान पर उतरे।

दूसरी ओर अनुभवी खिलाड़ियों की राह आसान नहीं है। 41 साल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम आता है। पुर्तगाल के इस दिग्गज खिलाड़ी पहले मैच में गोल नहीं कर पाए, जिससे उनकी टीम को कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलना पड़ा। 40 वर्षीय लुका मोड्रिक, जिन्होंने 2018 विश्व कप में क्रोएशिया को फाइनल तक पहुँचाया था, इस बार इंग्लैंड के खिलाफ उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। उनके फाउल की वजह से इंग्लैंड को पेनल्टी मिली, जिसे हैरी केन ने गोल में बदल दिया हालांकि, कुछ उम्रदराज खिलाड़ियों ने अपनी छाप छोड़ी है। विश्व कप टीमों में कई गोलकीपर ऐसे हैं जिनकी उम्र 40 साल है, जिनमें जर्मनी के मैनुअल नेउर सबसे मशहूर हैं। लेकिन इस सूची में अब केप वर्डे के वोज़िन्हा का नाम भी जुड़ गया है, जिन्होंने स्पेन को गोलरहित ड्रा पर रोकने में अहम भूमिका निभाई और एक गुमनाम गोलकीपर से स्टार बन गए। लियोनेल मेसी, जो 38 साल के हैं और काफी फिट हैं तथा अगले हफ्ते 39 साल के हो जाएंगे, उन्होंने अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाकर अर्जेंटीना को अपने पहले मैच में जीत दिलाई।

टी20 महिला विश्व कप में अब भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया से मिलेगी चुनौती

लंदन

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद अच्छी रही है और उसने अपने शुरुआती दोनो ही मैच जीते हैं। भारतीय टीम ने पहले मैच में पाकिस्तान और दूसरे में नीदरलैंड्स को आसानी से हराया है। इन दोनों ही मुकाबलों में मिली जीत से भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार बन गयी है हालांकि उसकी राह इतनी भी आसान नहीं है।

भारतीय टीम को अब दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों से खेलना है। इसके अलाव उसे बांग्लादेश से भी खेलना है। ऐसे में उसे इन मैचों में पूरी तैयारी और दृढ़ता के साथ मैदान पर उतरना होगा। पहले दोनो ही मैच जीतकर भारतीय टीम अभी अंक तालिका में नंबर एक पर है। भारत के अलावा, आस्ट्रेलिया ने भी अपने शुरुआती दो मैच जीते हैं और उसके भी 4 अंक हैं, हालांकि बेहतर नेट रन रेट के चलते भारतीय टीम शीर्ष पर है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ एक मैच जीतकर और आस्ट्रेलिया से हारकर अपनी स्थिति बनाए रखी है।

ग्रुप-ए से सेमीफाइनल के लिए ये तीनों टीमें - भारत, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका - ही सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। ऐसे में, भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल तक का सफ़र अब निर्णायक और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। भारत के ये तीन महत्वपूर्ण मुकाबले 21 जून को दक्षिण अफ्रीका, 25 जून को बांग्लादेश और 28 जून को आस्ट्रेलिया से होने वाले हैं। सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए टीम इंडिया को इन तीन मैचों में से कम से कम दो में जीत हासिल करना अनिवार्य होगा। यदि भारतीय टीम ऐसा करने में असफल रहती है और सिर्फ एक मैच जीत पाती है, तो उसकी मुश्किलें काफी बढ़ सकती हैं और उसे सेमीफाइनल में प्रवेश के लिए अन्य टीमों के मैचों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। आंकड़ों पर गौर करें तो, टी20 विश्व कप में आस्ट्रेलिया की टीम भारत पर भारी पड़ी है, जहां वह हेड-टू-हेड रिकार्ड में 5-2 से आगे है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम का प्रदर्शन और रिकार्ड अच्छा रहा है जो टीम के लिए एक सकारात्मक पहलू है।

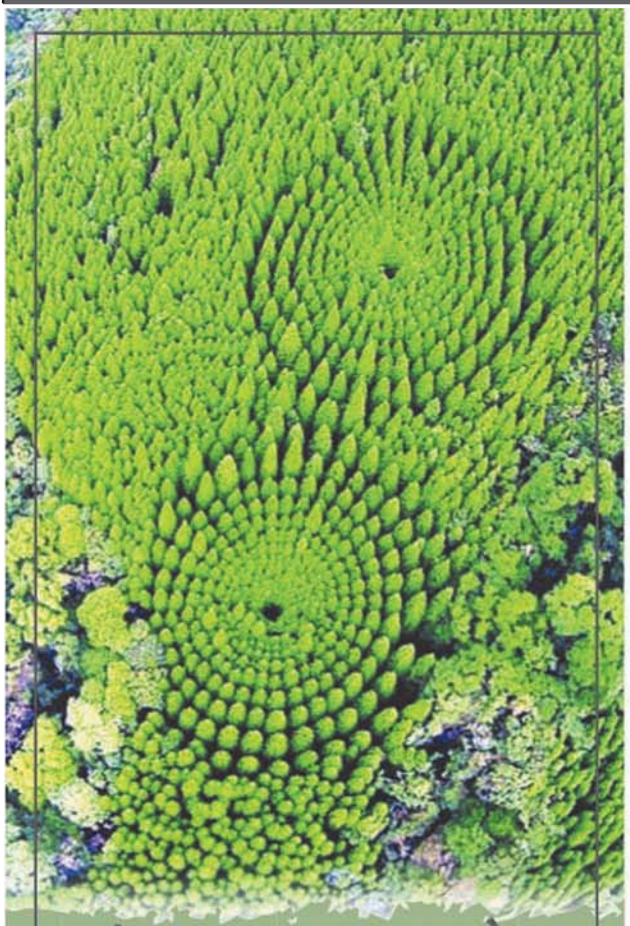

पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाजाकी प्रीफेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में हैं. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.

बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की खास बात ये हैं कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.

हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसेनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुर्मेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों मे ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले मे लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीवर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चीटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंटों की 10 से 14

दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात हैं जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर हैं। एंजेल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई नामक एक पर्वत पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक हैं कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंए के रूप में बदल जाता हैं और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता हैं। एन्जिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाईमा नेशनल पार्क में स्थित है।

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औयंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता हैं और जिस जगह यह गिरता हैं उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता हैं। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गेल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नेटिव जिसका अर्थ होता हैं सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेट के नाम पर रखा गया हैं जिनका नाम जिमी एंजेल था। एन्जिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल हैं।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उडान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑन्गेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरू भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरू नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह ऑयनटेपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एन्जिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एन्जिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती हैं जिसमे पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता हैं। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित हैं और स्यूदाद बोलिवर या पुएरा ऑर्डाज़ से कैनिमा शिविर तक पहुचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी हैं।

एन्जिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंवर के महीनो में होती हैं। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगना हो जाता हैं। जबकि दिसंवर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता हैं। आप पहाडियों पर चड़ने का अनुभव भी यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती हैं। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं।

वेनेजुएला में स्थित एंजिल फाल्स विश्व के

चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध हैं। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता हैं, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका हैं। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलो को छू लेता हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा हैं। एंजिल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात हैं। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित हैं। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित हैं जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब हैं। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योर्टो ऑर्डाज़ से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योर्टो ऑर्डाज़ से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिडकियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता हैं

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की हैं जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उडान भने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया हैं। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नही किया। उनकी ईक्षानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालाकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहां की में इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नही कर सकता।

सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में

कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते. कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं. बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है.

इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं.

बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है.

दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाएं है. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्ही में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.

इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'

हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं, फिल्म के विजन के अनुसार खुद को ढालती हूं

अपकमिंग फिल्म 'अर्जुनैन अल्लिरानी' में 'रानी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा कि वह हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाने में विश्वास रखती हैं। उनके अनुसार, जब भी वह किसी प्रोजेक्ट को हां कहती हैं, तो वह पूरी तरह से उस किरदार की दुनिया में खुद को ढाल लेती हैं। शीना चौहान ने बताया कि वह खुद को निर्देशक के विजन के अनुसार ढालती हैं और एक कलाकार के तौर पर खुद को 'खाली पन्ने' की तरह मानती हैं, जिस पर निर्देशक अपनी कल्पना के अनुसार काम कर सके। उन्होंने कहा कि अभिनय के दौरान वह हर किरदार की भावनात्मक गहराई को समझने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। फिल्म के लिए तैयारी के दौरान शीना इन दिनों स्टिक-फाइटिंग की स्पेशल ट्रेनिंग ले रही हैं। इसके साथ ही वह ग्रामीण तमिल संस्कृति, लोक कथाओं, भाषा और बोलियों को भी समझने पर ध्यान दे रही हैं ताकि अपने किरदार को अधिक वास्तविकता के साथ पेश कर सकें। वह अपनी तमिल भाषा पर भी लगातार काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार में ढलने के लिए वह पूरी तरह उस माहौल में डूब जाती हैं। उनके अनुसार, अभिनय सिर्फ संवाद बोलने का काम नहीं है, बल्कि किरदार की सोच और भावनाओं को जीने की प्रक्रिया है। इसी वजह से वह शूटिंग के दौरान कई बार सोशल मीडिया से दूरी बना लेती हैं ताकि उनका पूरा ध्यान किरदार पर केंद्रित रहे।

शीना चौहान ने यह भी बताया कि उनके लिए हर फिल्म एक सामूहिक दृष्टि का हिस्सा होती है, जिसमें कलाकार की जिम्मेदारी होती है कि वह निर्देशक के विजन का सम्मान करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह कई भूमिकाओं के लिए गहरे तरीके से तैयारी कर चुकी हैं। फिल्म संत तुकाराम में अपने किरदार के लिए उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को करीब से देखा था। वहीं, द ट्रायल में काम करते समय उन्होंने चर्च के वातावरण और वहां के लोगों के व्यवहार को समझने के लिए समय बिताया था। इसके अलावा, पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए उन्होंने एक महिला पुलिसकर्मी के कामकाज और अनुशासन को भी नजदीक से देखा था।

जिंदगी तय शेड्यूल की तरह नहीं चलती

साल के बीच का समय अक्सर लोगों के लिए आत्मचिंतन का समय लेकर आता है। जनवरी में बनाए गए नए साल के रेजोल्यूशन जब जून-जुलाई तक पूरे नहीं हो पाते, तो कई लोग खुद को असफल मानने लगते हैं। ऐसे में अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर लोगों को समझाया कि जीवन किसी तय शेड्यूल या चेकलिस्ट की तरह नहीं चलता, ऐसे में किसी भी तरह का अफसोस मनाना सही नहीं है। वीडियो में ईशा कोप्पिकर कहती हैं, ''नए साल की शुरुआत में लोग बड़े सपने और बड़े लक्ष्य बनाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, कई चीजें बदल जाती हैं। कभी जिम जाना छूट जाता है, कभी काम की व्यस्तता बढ़ जाती है, तो कभी निजी जीवन में ऐसे बदलाव आ जाते हैं जिनका असर हमारे पूरे साल के प्लान पर पड़ता है। ऐसे में खुद को दोषी मानना सही नहीं है।'' ईशा ने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उन्होंने आधा साल बर्बाद कर दिया है, क्योंकि वे अपने तय किए गए लक्ष्य पूरे नहीं कर पाए, लेकिन असली तरक्की हमेशा दिखाई नहीं देती। यह जरूरी नहीं कि सफलता केवल बड़े नतीजों से मापी जाए, बल्कि कई बार हम इस दौरान मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं, समझदार होते हैं और खुद को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। यह भी एक तरह की ग्रोथ है, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।''

ईशा ने अपने वीडियो में कहा, ''कई बार लोग केवल इसलिए आगे बढ़ रहे होते हैं क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों को झेला होता है। अगर इस दौरान किसी ने खुद को संभाल लिया है, अपने जीवन में छोटे-छोटे सही फैसले लिए हैं या पहली बार खुद को प्राथमिकता दी है, तो यह भी एक बड़ी उपलब्धि है। लोगों को अपने अंदर इस बदलाव को पहचानना चाहिए और उसे कम नहीं आंकना चाहिए।'' उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पछतावे को छोड़ दें। उन्होंने कहा, ''अगर इस साल की शुरुआत में आपने कोई सपना देखा था, तो वह सपना अभी भी आपका है और खत्म नहीं हुआ है। केवल कुछ समय के लिए आपकी रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पीछे रह गए हैं। आधा साल अभी भी बाकी है और यह समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना साल की शुरुआत होती है।''

अगले साल आएगी टाइगर श्रॉफ-जान्हवी और लक्ष्य की फिल्म 'लग जा गले'

टाइगर श्रॉफ, जान्हवी कपूर और लक्ष्य बड़े परदे पर साथ आने वाले हैं। बात हो रही है एक्शन फिल्म 'लग जा गले' की। राज मेहता के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा कर दिया गया है।

अगले साल रिलीज होगी 'लग जा गले'

फिल्म 'लग जा गले' को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया गया है। यह फिल्म अगले साल मई में रिलीज होने वाली है। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जिक्र है। फिल्म की रिलीज डेट अगले साल गर्मियों के लिए लॉक की गई है। 14 मई 2027 को यह फिल्म दस्तक देगी।

दर्शकों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

फिल्म में टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य दोनों हों, तो जाहिर है एक्शन भी दमदार होगा। इस फिल्म में इंटेंस एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यह फिल्म टाइगर श्रॉफ और जान्हवी कपूर के लिए आखिरी उम्मीद समझ लीजिए'। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'इन दोनों के बीच लक्ष्य कहां से फंस गया'। वहीं, कुछ दर्शक फिल्म को लेकर उत्साह जता रहे हैं।

'पेद्दी' में नजर आ रहीं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे राम चरण अभिनीत फिल्म 'पेद्दी' में नजर आ रही हैं। हालांकि, फिल्म में उन्हें अपनी भूमिका के लिए काफी ट्रोल किया गया है। वहीं, लक्ष्य को बीते दिनों 'चांद मेरा दिल' में देखा गया था। इसमें उनके साथ अनन्या पांडे नजर आई थीं। बीते महीने यानी मई में रिलीज हुई यह फिल्म भी धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी थी। हालांकि, खास असर नहीं कर पाई।

एक्टिंग से अलविदा कहने की अपारशक्ति खुराना ने की बात

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने हाल ही में अपने करियर के उस दौर के बारे में खुलकर बात की, जब वह मुंबई आने के बाद स्टाइलिस्ट के रूप में काम कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि वे कुछ समय बाद एक्टिंग छोड़ देंगे। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान अभिनेता ने बताया कि वह अगले 10-12 वर्षों में एक्टिंग से दूर होकर एक नया जुनून अपनाना चाहते हैं और शुरुआत से सिलाई सीखना चाहते हैं। जब अंगद ने अपारशक्ति की फैशन सेंस की तारीफ की, तो अभिनेता ने याद करते हुए कहा, 'एक समय ऐसा था जब मैं सोच रहा था कि बॉम्बे शिफ्ट होने का कोई एक तरीका क्या हो सकता है। तो एक फेज ऐसा भी था जब मैं मुंबई में स्टाइलिस्ट था। मैंने कुछ होस्ट्स को स्टाइल किया था, जो एक बहुत फेमस टीवी चैनल पर बॉलीवुड शो होस्ट कर रहे थे। मैं सच में चाहता हूं कि धीरे-धीरे मैं जो अभी कर रहा हूं, उसे अलविदा कह दूं। मेरा बहुत मन है कि 10-12 साल बाद मैं टेलरिंग सीखूं। कपड़ा कैसे काटना है, कैसे सिलना है, वो सीखना है।'

नहीं पता था कि किस्मत कहां ले जाएगी

अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने कहा कि 'छोटी रश्मि' को कभी नहीं पता था कि किस्मत उन्हें कहां ले जाएगी लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी चमक बनाए रखी। रश्मि ने वर्ष 2006 में 'रावण' से हिंदी टेलीविजन में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने बचपन की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह स्टाइलिश अंदाज में तैयार नजर आ रही हैं। इस सफर में मिले हर सबक, संघर्ष और आशीर्वाद के लिए आभार जताते हुए 2000 के दशक के शो 'उतरन' में तपस्या का किरदार निभाकर मशहूर हुई इस एक्ट्रेस ने उन अनुभवों का जश्न मनाया जिन्होंने उन्हें आज का इंसान बनाया है। रश्मि देसाई ने इंस्टाग्राम कैप्शन में लिखा, 'छोटी रश्मि को नहीं पता था कि जिंदगी उसे कहां ले जाएगी, लेकिन फिर भी वह अपने अंदर की चमक बनाए हुए थी। इस सफर में मिले हर सबक, हर संघर्ष और हर आशीर्वाद के लिए आभारी हूं।' बता दें कि रश्मि देसाई रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में अपने काम से लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रही थीं। उन्होंने 'परी हूं मैं', 'झलक दिखला जा 5', 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6', 'जरा नचके दिखा 2' और 'नच बलिए 7' जैसे शो में भी नजर आईं और सलमान खान की फिल्म 'दबंग 2' में एक खास रोल भी किया। 40 वर्षीय रश्मि आखिरी बार 'वागले की दुनिया, नई पीढ़ी नए किस्से' में दिखी थीं। यह शो कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण के किरदारों, खासकर 'द कॉमन मैन' पर आधारित है और इसमें एक आम मिडिल-क्लास भारतीय आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं को दिखाया गया है।

इससे पहले मई में, 'मिसेज मारा ऑनलाइन चे' के साथ थिएटर की दुनिया में नाम कमाने वाली रश्मि ने कहा था कि थिएटर कलाकारों को समय पर उनका हक नहीं मिलता और उन्हें 'किसी और की मंजूरी' की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा था कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है।

आईएएनएस से बातचीत में रश्मि ने बताया था कि एक थिएटर एक्टर बहुत मेहनत करता है। उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिलता, उन्हें जो मजा आता है, उसका एक छोटा सा परिवार होता है, और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत नहीं होती जो उन्हें बताए कि 'ठीक है, यह करो, वह करो।' उन्होंने आगे कहा, 'और अगर वे कोई गलती करते हैं या किसी तरह की नाकामी का सामना करते हैं, तो दूसरे लोग उनका हाथ थामने और यह कहने के लिए तैयार रहते हैं कि 'ठीक है, यह भी गुजर जाएगा।' तो हां, हमेशा एक नई शुरुआत होती है, और थिएटर इसे सीखने का सबसे अच्छा जरिया है। लेकिन वे ज्यादा सम्मान के हकदार हैं, और लोगों को थिएटर और थिएटर कलाकारों के बारे में और जानना चाहिए।'

अपकमिंग फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' को लेकर उत्साहित हैं अन्नू कपूर

अभिनेता अन्नू कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि इसकी कहानी और भावनात्मक गहराई ने व्यक्तिगत स्तर पर प्रभावित किया है। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। अभिनेता ने आईएएनएस को बताया कि यह कहानी उन्हें व्यक्तिगत तौर पर इसलिए पसंद आई, क्योंकि यह जीवन की एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिससे लगभग हर व्यक्ति जुड़ाव महसूस कर सकता है। अक्सर लोग सवालों के जवाब अपने भीतर खोजने के बजाय बाहरी परिस्थितियों, संकेतों या लोगों में तलाशते हैं। अन्नू कपूर के अनुसार, 'उत्तर दा पुत्तर' इसी विचार को बेहद रोचक तरीके से प्रस्तुत करती है। फिल्म में कॉमेडी के साथ इमोशंस का बेहतर संतुलन है, जो इसे मनोरंजक होने के साथ-साथ संवेदनशील भी बनाता है। यह एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर करती है।

अभिनेता ने बताया कि फिल्म का सबसे खास पहलू यह है कि यह एक गंभीर विषय को बेहद दिल छू लेने वाले अंदाज में पेश करती है। यही वजह है कि यह प्रोजेक्ट उन्हें बाकी फिल्मों से अलग और खास लगा। अन्नू कपूर ने यह भी कहा कि इस फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए एक सुखद अनुभव रहा और उन्होंने इसकी शूटिंग तथा कहानी दोनों का आनंद लिया। शुक्रवार को फिल्म मेकर्स ने सोशल मीडिया पर टीजर जारी करते हुए लिखा, 'क्या होगा अगर गलत दिशा का चुनाव आपकी पूरी जिंदगी बदल दे? एक ऐसी हिंदी कॉमेडी फिल्म, जो एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिसे दर्शकों ने पहले कभी बड़े पर्दे पर नहीं देखा होगा। अब समय ऐसी फिल्मों का है, जहां कंटेंट ही सबसे बड़ा सितारा है। टीजर आ चुका है और सही दिशा की तलाश 24 जुलाई से सिनेमाघरों में शुरू होगी। ट्रेलर जल्द रिलीज किया जाएगा।' टीजर में फिल्म की अनोखी कहानी की झलक दिखाई गई है। फिल्म इस विचार पर आधारित है कि किसी व्यक्ति की किस्मत केवल सही दिशा चुनने से भी बदल सकती है। कहानी इसी दिलचस्प और अलग कॉन्सेप्ट के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता संदीप कपूर ने कहा, ''उत्तर दा पुत्तर' एक ऐसी कहानी है, जिससे हर कोई खुद को जोड़ सकता है। हममें से कई लोग जीवन में कभी न कभी अपने भीतर जवाब तलाशने के बजाय बाहर खोजते हैं, कभी दिशाओं में तो कभी संकेतों में। यह फिल्म इसी विचार को मनोरंजक अंदाज में पेश करती है, जिसमें कॉमेडी और इमोशंस का बेहतरीन मेल है।' फिल्म में अन्नू कपूर के साथ रखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्तियाक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रविंद्र ने किया है, जबकि इसका निर्माण संदीप कपूर और प्रिया कपूर ने प्रमोदम मोशन पिकचर्स के बैनर तले किया है।

म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभा सकते हैं फरहान

फरहान अख्तर अब अपने नए प्रोजेक्ट पर ध्यान लगा रहे हैं। वह नई फिल्म में म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभा सकते हैं। फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। खबर है कि फरहान अख्तर को नीरज पांडे के निर्देशन में बनने वाली बायोपिक में म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभाने के लिए अप्रोच किया गया है। मेकर्स इस फिल्म में फरहान को लीड रोल में कास्ट करने के इच्छुक हैं। खबर यह भी है कि नीरज कुछ समय से इस बायोपिक पर काम कर रहे हैं और इसकी स्क्रिप्ट पर तेजी से काम चल रहा है। दावा है कि फरहान आरडी बर्मन का किरदार निभाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। वह उनकी जिंदगी को पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ छत्तीसगढ़

ब्रह्माकुमारी संस्थान के साधकों ने शान्ति सरोवर में किया योग का अभ्यास...

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सदस्यों ने आज सुबह विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में योग का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षक आचार्य प्रदीप सिन्हा और कैलाश सिन्हा ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन करते हुए शारीरिक स्वास्थ्य के लिए विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

- **पूरे विश्व में दस लाख लोग राजयोग अपनाकर तनावमुक्त जीवन जी रहे...ब्रह्माकुमारी सविता दीदी**
- **कोविड के दौरान हुई क्षति को ठीक करने के लिए योग लाभदायी... डॉ. सरिता बाजपेयी**

इस अवसर पर रायपुर स्थित सेवाकेन्द्रों की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि जैसे बिजली प्राप्त करने के लिए पावर हाउस से कनेक्शन करना होता है। पानी के लिए नलघर से कनेक्शन जरूरी होता है। ठीक वैसे ही आत्मा में शक्ति भरने के लिए सर्वशक्तिवान परमात्मा से सम्बन्ध जोडऩे की जरूरत होती है। परमात्मा से सम्बन्ध जोडऩे के लिए राजयोग मेडिटेशन अच्छा माध्यम है।

उन्होंने कहा कि योग दिवस मनाने के कारण लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हुए हैं। लेकिन हमारा शरीर भी स्वस्थ तब होगा जब हमारा मन स्वस्थ होगा। उन्होंने नकारात्मक और व्यर्थ विचारों से बचने की सलाह देते हुए कहा कि इससे आत्मा की शक्तिनष्ट होती है। उन्होंने बतलाया कि ब्रह्माकुमारी संस्थान से पूरे विश्व में दस लाख से अधिक लोग जुड़े हुए हैं जो कि राजयोग को अपनाकर तनावमुक्त और शान्तिमय जीवन जी रहे हैं। मन की शान्ति के लिए मेडिटेशन के अलावा अन्य कोई दूसरा उपाय नहीं है।

आर्ट ऑफ लिविंग की सीनियर फैकल्टी डॉ. सरिता बाजपेयी ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की धरोहर है जो कि योग दिवस के माध्यम से जन-जन तक पहुंच रहा है। कोविड से शरीर को जो क्षति पहुंची है उसे हम योग से ठीक कर सकते हैं। योग सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं है। जब शरीर, मन, आत्मा और भावनाएं मिलकर एक हो जाती हैं तब वह समत्व ही योग है। शारीरिक रूप से स्वस्थ तथा मानसिक रूप से शान्त और भावनात्मक रूप से मजबूत होना ही योगी की निशानी है।भारतीय योग संस्थान के प्रान्तीय प्रमुख मुकेश सोनी ने कहा कि इस वर्ष योग दिवस का थीम है स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग। तन और मन दोनों का शोधन योग के द्वारा सम्भव है। तन के शोधन के लिए पातंजलि ने तीन सूत्र बतलाए हैं।

ऋषि-मुनियों की अमूल्य विरासत है योगः उप मुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कबीरधाम जिले के पी. जी. कॉलेज कवर्धा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के रूप में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी शामिल हुए। जहां उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारी, स्कूल-कॉलेज के छात्र छात्राओं और गणमान्य नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जिनकी पहल से भारत की सदियों पुरानी हमारी स्वस्थ जीवन शैली की यह कला आज पूरे विश्व में अपनायी जा रही है। 12 वर्ष पूर्व अपने निर्वाचित होते ही उन्होंने योगा दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर मनाने का आह्वान किया था।

योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएः उप मुख्यमंत्री साव

रायपुर। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय दुर्ग के खालसा पब्लिक स्कूल प्रांगण में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरूण साव शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री अरूण साव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल, विधायक रिकेश सेन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय, पद्म उषा बारले, महापौर अलका बाघमार, जिला पंचायत की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक सांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल तथा समस्त विभाग के अधिकारी कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और नगर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया।

योग हमारी सांस्कृतिक विरासत और स्वस्थ जीवन का आधार है : चौधरी

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज जांजगीर-चांपा जिला मुख्यालय स्थित भीमा तालाब के जाज्वल्य देव द्वार परिसर में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों तथा नागरिकों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया।इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने जिलेवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के कारण योग को वैश्विक पहचान मिली है।

योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का सशक्त माध्यमः बृजमोहन

रायपुर। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार 21 जून को जून को जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन नवीन कृषि उपज मण्डी परिसर बलौदाबाजार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विशिष्ट अतिथियों,अधिकारी -कर्मचारी एवं स्कूली बच्चों की उपस्थिति में ''स्वस्थ्य आयु के लिए योग'' आधारित थीम पर सामूहिक योगाभ्यास किया गया। इस अवसर पर सांसदअग्रवाल ने स्वस्थ शरीर व नशामुक्ति की शपथ दिलाई । सांसदअग्रवाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज विश्व के लगभग 177 देश के कोने कोने में योगाभ्यास किया जा रहा है।योग भारत की प्राचीन जीवन पद्धति है जिसमें वसुधैव कुटुंबकम की भावना समाहित है।

सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में कला मंच पर उतरे पॉवर कंपनी के सितारे

लोकमाया न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वाधान में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में अधिकारियों कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा आपसी समन्वय और सौहार्द को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक उत्पादन श्री एस के कटियार,प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन श्री आरके शुक्ला ,प्रबंध निदेशक डिस्ट्रीब्यूशन श्री भीम सिंह कंवर उपस्थित थे। प्रबंध निदेशकों ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन कर्मचारियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा कार्यस्थल पर बेहतर सामंजस्य स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सांस्कृतिक संध्या में कंपनी के विभिन्न कार्यालयों एवं इकाइयों से कुल 25 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 16 प्रतिभागियों ने गायन प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं का मन मोह लिया, वहीं 9 प्रतिभागियों ने नृत्य प्रस्तुत कर अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यपालक निदेशक वित्त श्री एम एस चौहान ने रूप तेरा मस्ताना गीत पर सैक्सोफोन वाद्य यंत्र के माध्यम से एक मधुर प्रस्तुति देखकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस समावेशी कार्यक्रम में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी से लेकर कार्यपालक निदेशक पद के कलाकारों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने हिंदी फिल्मी गीतों तथा पारंपरिक एवं आधुनिक नृत्य शैलियों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम का आनंद लिया।

मां मातंगी दिव्य धाम पहुंचे कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, की पूजा-अर्चना

- **डॉ. प्रेम साई महाराज से लिया आशीर्वाद, प्रदेश के खुशहाली की कामना**

लोकमाया न्यूज, ब्यूरो रिपोर्ट

धमतरी जिले के जी जाम गांव स्थित पवित्र मां मातंगी दिव्य धाम में आज छत्तीसगढ़ शासन के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप का आगमन हुआ इस अवसर पर उन्होंने मां मातंगी, मां छिन्नमस्ता एवं मां बगलामुखी के दिव्य दरबार में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।धाम आगमन पर पूज्य पीठाधीश्वर परम श्रद्धेय डॉ. प्रेम साई महाराज ने मंत्री श्री कश्यप का आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया इस दौरान धर्म, संस्कृति, समाज सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा भी हुई। मंत्री श्री कश्यप ने धाम में संचालित आध्यात्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आध्यात्मिक केंद्र भारतीय संस्कृति एवं सनातन मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

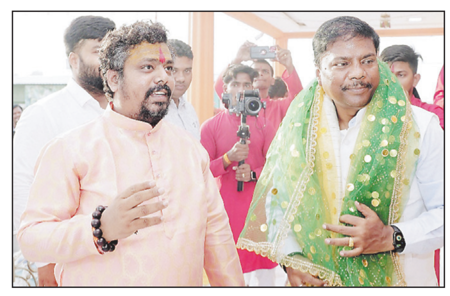

डॉ. प्रेम साई महाराज ने मंत्री श्री कश्यप के उज्ज्वल भविष्य, सफल जनसेवा एवं प्रदेश की निरंतर प्रगति के लिए मां भगवती से मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का आध्यात्मिक स्थलों से जुड़ाव समाज में सकारात्मक ऊर्जा एवं लोककल्याण की भावना को सुदृढ़ करता है।इस अवसर पर नारायणपुर के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अभिषेक बेनर्जी भी उपस्थित रहे,धाम में आयोजित इस आध्यात्मिक एवं सौहार्दपूर्ण कार्यक्रम में श्रद्धालुओं एवं धाम परिवार के सदस्यों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।